हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 94 ● भिलाई, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पैरोल खत्म होने पर भी जेल में नहीं पहुंचा आसाराम

जोधपुर। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 20 दिन की मेडिकल पैरोल की अवधि समाप्त होने के बाद निर्धारित समय पर जोधपुर सेंट्रल जेल में पेश नहीं होने के मामले में जेल प्रहरी बनवारी लाल ने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रातानाडा थाने में कारागार अधिनियम की धारा 58(ख) के तहत देर रात मामला दर्ज किया गया। आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 6 अक्टूबर को 20 दिन की पैरोल दी थी, जिसकी अवधि 26 अक्टूबर को समाप्त हो गई। पैरोल की अवधि बढ़ाने के लिए आसाराम ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने मेडिकल आधार पर राहत देने से इनकार कर दिया। साथ ही उन्हें मंगलवार शाम 5 बजे तक जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आसाराम एयर एंबुलेंस से उज्जैन से जोधपुर पहुंचे। हालांकि, वह निर्धारित समय तक जेल में सरेंडर नहीं कर सके।

ट्रेन में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नहीं मिलेगी मोबाइल चार्जिंग की सुविधा!

नई दिल्ली। ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के लिए अहम खबर है। अब रात के समय रेल यात्रा के दौरान मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज करने में परेशानी हो सकती है। रेलवे बोर्ड ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक ट्रेनों में चार्जिंग पॉइंट बंद रखने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सभी जोनल रेलवे को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। निर्देशों के मुताबिक, निर्धारित छह घंटे की अवधि के दौरान ट्रेन के डिब्बों में चार्जिंग पॉइंट की बिजली आपूर्ति बंद रखी जाएगी। रेलवे ने संबंधित कर्मचारियों को इस व्यवस्था के बारे में जानकारी देने और जरूरी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि सभी कोच में आदेश का पालन हो सके। रेलवे के इस कदम के पीछे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की चार्जिंग से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को अहम वजह माना जा रहा है।

अनुज सिंह के पिछड़ने के बाद अनंत सिंह ने मानी हार, बोले-जनता ही मालिक

पटना। बिहार विधान परिषद के पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह के पिछड़ने के बाद मोकामा से विधायक अनंत सिंह ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि जनता ही मालिक और भगवान है। जनता ने जिसे वोट दिया, वह जीत गया और जिसे वोट नहीं दिया, वह हार गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें जनता के फैसले से कोई नाराजगी नहीं है और पार्टी के खिलाफ वह कभी नहीं बोलेंगे। अनंत सिंह ने कहा कि मतगणना समाप्त हो चुकी है और अनुज सिंह चुनाव हार गए हैं। अब इसमें तीसरे या चौथे स्थान की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, नीरज जी जीत गए हैं और हम हार गए हैं।

चक्रवात अर्नब का व्यापक असर देखने को मिला

अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सहित तीन राज्यों के हालात की जानकारी ली..

नई दिल्ली/ एजेंसी

चक्रवाती तूफान अर्नब के कारण आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र सरकार ने राहत और बचाव कार्यों को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से संपर्क कर हालात की जानकारी ली और आपदा से प्रभावित लोगों की मुश्किलें कम करने के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। इस बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की टीमें प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। चक्रवात अर्नब के कारण कई क्षेत्रों में भारी बारिश, तेज हवाओं और जलभराव की समस्या सामने आई है। प्रभावित राज्यों में प्रशासन की प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, बिजली और सड़क जैसी आवश्यक सुविधाओं को बहाल करने तथा जरूरतमंद परिवारों को राहत उपलब्ध कराने की है। चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों से संपर्क चक्रवात अर्नब के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से बातचीत कर आपदा की स्थिति की जानकारी ली। गृह मंत्री ने भरोसा दिलाया कि प्रभावित लोगों की परेशानियां कम करने के लिए केंद्र की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी बनाना और जरूरत पड़ने पर केंद्रीय एजेंसियों की सहायता उपलब्ध कराना है। प्राकृतिक आपदाओं के समय केंद्र और राज्य सरकारों के बीच लगातार संपर्क महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसके माध्यम से प्रभावित इलाकों की जरूरतों के अनुसार राहत संसाधन उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफऔर एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्य कर रही हैं। बचाव दलों की प्राथमिकता संवेदनशील क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना और आपात परिस्थितियों में स्थानीय प्रशासन की सहायता करना है। इसके अलावा प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, राहत शिविरों में आवश्यक व्यवस्था बनाए रखने और आपदा से जुड़े खतरों को कम करने के लिए कार्य किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने चक्रवात के खतरे को देखते हुए पहले ही संबंधित राज्यों को आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी थी। आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब का व्यापक असर देखने को मिला है। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण कृषि एवं बागवानी फसलों, बिजली व्यवस्था, सड़कों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत कर राज्य में चक्रवात से उत्पन्न परिस्थितियों और नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने केंद्र सरकार से नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय टीमें भेजने और राहत, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

अर्नब' से निपटने में प्रदेश की मदद के लिए मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जताया आभार

रायपुर। चक्रवात 'अर्नब' के खतरे को भांपते हुए इस बार केंद्र सरकार ने चाक-चौबंद व्यवस्था की है. यही वजह रही कि अब तक 'अर्नब' से जन-धन की हानि की खबरें नहीं के बराबर हैं. चक्रवात अर्नब से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई मदद पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किए अपने पोस्ट में छत्तीसगढ़ सहित सभी प्रभावित राज्यों को हरसंभव सहायता का भरोसा देने के लिए केंद्रीय गृह अमित शाह का हृदय से आभार जताया है. इसके साथ प्रदेशवासियों की सुरक्षा को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि विभिन्न एजेंसियों के समन्वय से राहत एवं बचाव कार्यों और जरूरतमंदों तक आवश्यक सहायता पहुँचाने के लिए हम पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं.

टाटा ग्रुप में बड़ा फेरबदल

नोएल 11 को ट्रेंट के चेयरमैन पद से रिटायर्ड हो जाएंगे.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी 'ट्रेंट लिमिटेड' के बोर्ड में महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। कंपनी ने 29 अक्टूबर, गुरुवार को शेयर बाजारों को सूचित किया कि नोएल एन. टाटा 11 नवंबर 2026 को कार्यकाल समाप्त होने पर ट्रेंट के चेयरमैन और डायरेक्टर पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। ट्रेंट में उनके महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने उन्हें 12 नवंबर 2026 से चेयरमैन एमेरिटस के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय टाटा ग्रुप की गवर्नेंस दिशानिर्देशों के तहत लिया गया है। ट्रेंट के बोर्ड ने पिछले 29 वर्षों में कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में नोएल टाटा के योगदान की तारीफ की। उनके लीडरशिप में ट्रेंट ने भारत के रिटेल और फैशन सेक्टर में अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। ट्रेंट के सितंबर तिमाही के नतीजों के बाद नोएल टाटा ने अपने संदेश में कहा कि ट्रेंट के चेयरमैन के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त करते हुए मुझे कंपनी की हालिया उपलब्धियों पर गर्व है। एक नए ब्रांड से लेकर फैशन उद्योग में अग्रणी बनने तक की ट्रेंट की इस यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। नोएल टाटा के रिटायरमेंट के बाद कंपनी की जिम्मेदारी नए लोगों को सौंपी जाएगी। साथ ही, बोर्ड में दो नए डायरेक्टर्स को जोड़ा गया है। नोएल टाटा के रिटायरमेंट के बाद बहराम वकील 12 नवंबर 2026 से ट्रेंट के चेयरमैन के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे। बोर्ड ने राजीव दुबे को 30 अक्टूबर से गैर-कार्यकारी, गैर-स्वतंत्र अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया है।

थेनी जेल से 17 कैदी फरार होने के बाद सभी जेलों में तैनात होंगे हथियारबंद गार्ड

चेन्नई। तमिलनाडु के थेनी जिला जेल से 17 कैदियों के फरार होने के बाद तमिलनाडु की सभी सेंट्रल और जिला जेलों में हथियारबंद गार्ड तैनात किए जाएंगे। जेल और सुधार सेवा के पुलिस महानिदेशक संदीप राय राठौर ने यह जानकारी दी। यह तैनाती सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव का हिस्सा है, जिसकी घोषणा सोमवार रात हुए जेल ब्रेक के बाद की गई। इस घटना ने मेडिकल इमरजेंसी को संभालने में हुई चूक को उजागर कर दिया। जेल अधिकारी अब सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा कर रहे हैं और एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर रहे हैं।

काम पर कब से लौटेंगे टाइगर श्रॉफ

सुरक्षा का इंतजाम,'लग जा गले' के सेट पर आएंगे नजर

नई दिल्ली। अभिनेता टाइगर श्रॉफपर जब से हमला हुआ है, तब से वह चर्चा में हैं। अब उनके काम से जुड़ी एक अपडेट आई है। उम्मीद जताई जा रही है कि अभिनेता अगले महीने, दिवाली के बाद अपकमिंग फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट सकते हैं। मुंबई के जुहू में हुई गोलीबारी की घटना के बाद, उनकी टीम ने कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया है। ईंडिया टुडे के मुताबिक टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा टीम और प्रोडक्शन टीम ने मिलकर एक योजना बनाई है, ताकि उनका शूटिंग शेड्यूल गुप्त रहे। उनके आने-जाने की जानकारी केवल कुछ चुनिंदा लोगों के साथ ही साझा की जाएगी। इसके अलावा, सेट पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोडक्शन टीम ज्यादा सावधानी बरत रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 18 अक्टूबर की घटना के बाद से टाइगर ने शूटिंग शुरू नहीं की है।

इंडिया ब्लॉक से गठबंधन के भी संकेत

सीजेपी ने विपक्ष की एक नवंबर की रैली को दिया है समर्थन.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली विपक्ष की रैली को समर्थन दिया है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका के मुताबिक, पार्टी के कार्यकर्ता इस रैली में शामिल हो सकते हैं। इसके साथ ही सीजेपी ने इंडिया ब्लॉक के साथ संभावित गठबंधन को लेकर भी संकेत दिए हैं और इस मुद्दे पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर वीडियो जारी कर छात्र संगठनों से 1 नवंबर के 'दिल्ली चलो मार्च' में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोग पुलिस की लाठीचार्ज की आशंका से न घबराएं। राहुल गांधी ने कहा कि यह मार्च किसी एक राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय संविधान, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए है। उन्होंने वोट चोरी रोकने और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए लोगों से इसमें शामिल होने का आह्वान किया। विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में 'पब्लिक महाभियोग' कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। कार्यक्रम में राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों के नेताओं के शामिल होने की बात कही गई है।

डीए मामले में पंजाब सरकार को हाईकोर्ट की फटकार, मुख्य सचिव को लगाया 1 लाख रुपए का जुर्माना

चंडीगढ़। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते से जुड़े मामले में अदालती आदेशों की अनदेखी और जवाब दाखिल न करने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार के खिलाफ बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। अदालत के पूर्व निर्देशों की अवहेलना को लेकर दायर अवमानना याचिका पर करीब एक घंटे तक चली मैराथन सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने जवाब न मिलने पर गहरी नाराजगी जताई। अदालत ने कड़ा संज्ञान लेते हुए पंजाब के मुख्य सचिव पर एक लाख रुपये का जुर्माना ठोक दिया है।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद बड़ा फैसला

बस्तर के 116 नेताओं की सुरक्षा में होगी कटौती-उपमुख्यमंत्री....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे के बाद राज्य सरकार ने बस्तर के राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के मुताबिक, बस्तर संभाग के भाजपा और कांग्रेस से जुड़े 116 नेताओं की सुरक्षा श्रेणी में कटौती की गई है। इनमें कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व मंत्री कवासी लखमा समेत कई प्रमुख नाम शामिल हैं। बस्तर क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस के कुल 116 नेताओं की सुरक्षा श्रेणी में बदलाव किया गया है। इनमें कई वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधि शामिल हैं। सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव के तहत नेताओं की सुरक्षा को जेड प्लस से घटाकर जेड और जेड से घटाकर वाय प्लस श्रेणी में किया गया है। यह फैसला नक्सलवाद की स्थिति में आए बदलाव के बाद लिया गया है। सुरक्षा श्रेणी में बदलाव के तहत कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप और पूर्व मंत्री महेश गागड़ा की सुरक्षा जेड प्लस से घटाकर जेड श्रेणी की गई है। इसके अलावा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व मंत्री कवासी लखमा की सुरक्षा में भी बदलाव किया गया है। उनकी सुरक्षा जेड प्लस से घटाकर जेड श्रेणी में की गई है। बस्तर के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कर्मा परिवार को मिली सुरक्षा श्रेणी में भी बदलाव किया गया है।

अधप की फसल पर कीट प्रकोप का खतरा

'अर्नब' ने किसानों को रुलाए खून के आंसू -धान की फसलें गिरी...

रायपुर/ संवाददाता

धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में चक्रवाती तूफान अर्णव का असर देखने को मिल रहा है। पिछले दो दिनों से जिले के बलौदा बाजार, भाटापारा, सिमगा, कसडोल और पलारी समेत सभी विकासखंडों में लगातार बारिश हो रही है। मौसम के इस बदले मिजाज ने सबसे ज्यादा चिंता किसानों की बढ़ा दी है। खेतों में खरीफ की धान फसल पककर तैयार है, लेकिन बारिश के चलते कहीं धान की फसल जमीन पर गिर गई है, तो कहीं खेतों में पानी भरने से कटाई प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में किसानों को दोहरी मार का डर सता रहा है। आखिर कैसे बेमौसम बारिश किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर सकती है। खेतों में धान की फसल पककर तैयार है और किसान कटाई की तैयारी में जुटे हुए हैं, लेकिन बारिश के चलते कई जगह पक चुकी धान की फसल जमीन पर गिर गई है। खेतों में नमी और जलभराव के कारण फसल की कटाई में देरी होने की आशंका भी बढ़ गई है। इस बारिश का असर सिर्फ धान की कटाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन पर भी असर पड़ने की आशंका है। लगातार नमी बने रहने से खेतों में गिरी धान की बालियों के दाने बदरंग हो सकते हैं। वहीं, लंबे समय तक पानी और नमी रहने से दानों में अंकुरण का खतरा भी बढ़ सकता है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ, तो किसानों को उपज की गुणवत्ता में गिरावट के साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। किसानों की चिंता उन खेतों को लेकर भी है, जहां धान की बालियां निकल चुकी हैं, लेकिन फसल अभी पूरी तरह पक नहीं पाई है। लगातार बारिश और बादलों के कारण फसल में कीट एवं रोगों का खतरा बढ़ने की आशंका है। ऐसे में किसानों के सामने फसल को सुरक्षित रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। उत्पादन में कमी और धान की गुणवत्ता प्रभावित होने पर समर्थन मूल्य पर उपज बेचने के दौरान भी परेशानी आ सकती है।

अर्नब चक्रवात से फसलों को नुकसान, मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा अनावरी रिपोर्ट के आधार पर मिलेगा मुआवजा

रायपुर। चक्रवात अर्नब के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में तेज बारिश और हवाओं के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। प्रदेश में बेमौसम बारिश से धान और सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। इस बीच आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा है कि जिन क्षेत्रों में फसलों को नुकसान हुआ है, वहां अनावरी रिपोर्ट के आधार पर आकलन किया जाएगा। किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत मुआवजा दिया जाएगा। मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि अर्नब चक्रवात के प्रभाव से प्रदेश में हवा और बारिश की स्थिति बनी हुई है। वर्तमान में प्रदेश में 44 प्रतिशत बारिश होने की जानकारी है और इसे लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, कुछ स्थानों पर धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। फसल नुकसान का आकलन अनावरी रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। इसके बाद पात्र किसानों को नियमानुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा राशि दी जाएगी। प्रदेश में पटवारियों की हड़ताल को लेकर भी राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राज्य के हजारों पटवारी पिछले 15 दिनों से हड़ताल पर हैं। पटवारी व्हाट्सऐप पर आवेदन देकर हड़ताल पर चले गए, जबकि उन्हें अपनी मांगों और समस्याओं के बारे में सरकार को बताना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हड़ताल पर जाने से पहले पटवारियों को चर्चा करनी चाहिए थी, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास किया जा सके। मंत्री ने कहा कि वर्तमान में धान खरीदी के लिए गिरदावरी का समय चल रहा है।

मुंगेली रेस्ट हाउस में जिला स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस, मतदाता सूची की शुद्धता और निर्वाचन आयोग की जवाबदेही पर दिया जोर

वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस ने उठाए चुनावी पारदर्शिता पर सवाल

मुंगेली। कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत मुंगेली जिला मुख्यालय स्थित रेस्ट हाउस में जिला स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार आयोजित इस पत्रकार वार्ता में मतदाता सूची की पारदर्शिता, मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं हटाने की प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की जवाबदेही से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एआईसीसी पर्यवेक्षक शरद अहेर, भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर, पीसीसी पर्यवेक्षक हितेंद्र ठाकुर तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम वर्मा सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में कथित विसंगतियों की जांच की मांग- एआईसीसी पर्यवेक्षक शरद अहेर ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव और प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, नाम जोड़ने एवं हटाने की प्रक्रिया को स्पष्ट बनाने और निर्वाचन आयोग की जवाबदेही तय करने की मांग उठा रही है।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा सहित विभिन्न क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में कथित विसंगतियों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच मतदाताओं की संख्या में वृद्धि, कर्नाटक के महादेवपुरा क्षेत्र में कथित दोहरे पंजीकरण तथा आलंद में नाम हटाने के कथित

प्रयासों को लेकर पार्टी ने पारदर्शी जांच की मांग की है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनभागीदारी का आह्वान- भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और मताधिकार की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान में अधिक से अधिक लोगों को भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने नागरिकों से लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने कहा कि कांग्रेस मतदाता सूची से नाम जोड़ने एवं हटाने से संबंधित विस्तृत डिजिटल आंकड़े सार्वजनिक करने, राजनीतिक दलों को सत्यापन योग्य रिकॉर्ड उपलब्ध कराने तथा प्रभावित मतदाताओं को अपील और सुधार का पर्याप्त अवसर देने की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में गंभीर विसंगतियों की आशंका होने पर स्वतंत्र और समयबद्ध जांच होनी चाहिए।

वर्मा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया और निर्वाचन आयुक्तों को प्राप्त कानूनी संरक्षण के मुद्दे पर भी पारदर्शिता एवं जवाबदेही की आवश्यकता बताई। उनके अनुसार, निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा निर्णयों के प्रति जवाबदेही जरूरी है।

मतदाता जागरूकता अभियान चलाने पर जोर- पत्रकार वार्ता में कांग्रेस की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर पुनर्विचार, कथित अनियमितताओं की जांच तथा मतदाता सूची से हटाए गए नामों के संबंध में पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग रखी गई। जिला कांग्रेस इकाई ने स्थानीय स्तर पर संभावित विसंगतियों की पहचान, प्रभावित नागरिकों के मामलों का दस्तावेजीकरण और मतदाता जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए। इसके लिए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता, जवाबदेही और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

इस अवसर पर थानेश्वर साहू, संजीत बनर्जी, चंद्रभान बारमते, चुरावन मंगेशकर, हेमेन्द्र गोस्वामी, रोहित शुक्ला, दिलीप बंजारा, श्रीनिवास ठाकुर, दीपक गुप्ता, मुकेश मीरी, तारिणी विश्वकर्मा, रघुराज सिंह, रामस्वरूप श्याम, स्वतंत्र मिश्रा, संजय यादव, लक्ष्मीकांत भास्कर, एजाज खोखर, मनीष त्रिपाठी, नरेश पाटले, जागेश्वरी वर्मा, मायारानी, अनिता विश्वकर्मा, पवन अग्रवाल, अरविंद वैष्णव, राजेश छैदहिया, रामजी ध्रुव, आनंद सोनी, अभिलाष जायसवाल, ग्वालदास अनंत, नेहरू साहू, आकाश वैष्णव, संजय कुर्रे, संजय जायसवाल, लक्की गर्ग, इंद्रजीत कुर्रे, सूरज यादव, असद खोखर, कौशल सिंह, अभिषेक यादव, संपत जायसवाल, खेमू साहू, राजेश यादव, उमेश सोनी, वहाब खान, नेतराम साहू, धर्मेंद्र श्रीवास, तारण टंडन, राजेंद्र टंडन, सतीश यादव, अनिल दास, पवन दास, रमेश राजपूत, पुरुषोत्तम मार्को, लखन कश्यप, जित्तु श्रीवास्तव, मुकेश साहू, महेंद्र यादव, टेकराम सोनवानी, टेकराम निर्मलकर, मानस लोधी, टीकाराम यादव, हेमंत मानिकपुरी, संजय चंदेल, मकबूल, श्रवण सोनकर, नारद देवांगन, उर्मिला यादव, हेमिन मंगेशकर, बिंदु यादव, खुशबू वैष्णव और मानवी खांडे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध खनिज परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, 5 वाहन जब्त

सारसीवां और भटगांव क्षेत्र में औचक निरीक्षण के दौरान पकड़े गए वाहन

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को सारसीवां और भटगांव तहसील क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर अवैध खनिज परिवहन करते हुए 5 वाहनों पर कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान सारसीवां क्षेत्र में साधारण रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर पकड़े गए। वहीं भटगांव क्षेत्र में चूनापत्थर का अवैध परिवहन करते दो हाइवा तथा साधारण रेत का परिवहन करते एक ट्रैक्टर पर कार्रवाई की गई। संबंधित वाहनों को थाना सारसीवां एवं थाना भटगांव की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 एवं खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

बेमेतरा में मानवता की मिसाल : 70 वर्षीय अर्जुन प्रसाद दुबे ने किया देहदान का ऐतिहासिक संकल्प, मृत्यु के बाद भी देंगे जीवन का पाठ

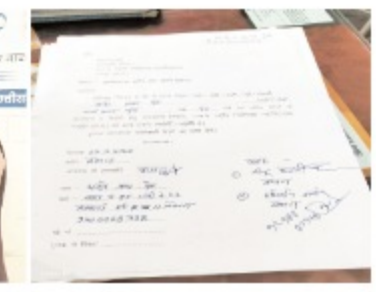

बेमेतरा। जिले के लिए गर्व का क्षण। गंजपारा वार्ड नं. 11, बेमेतरा निवासी 70 वर्षीय अर्जुन प्रसाद दुबे ने वह फैसला लिया है, जिसे लेने के लिए बड़ा दिल और बड़ी सोच चाहिए। उन्होंने अपने शरीर को मृत्यु के बाद चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए दान करने की औपचारिक घोषणा कर दी है।

अर्जुन प्रसाद दुबे ने पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के एनाटॉमी विभाग के विभागाध्यक्ष को लिखित आवेदन सौंपा है। आवेदन में उन्होंने स्पष्ट लिखा है कि उनके निधन के उपरांत उनका शरीर मेडिकल छात्रों के अध्यापन व रिसर्च हेतु महाविद्यालय को सौंपा जाए। इस अवसर पर समाजसेवी नीतू कोठारी और हर्षवर्धन शर्मा साक्षी के रूप में उपस्थित रहे। दोनों ने आवेदन पर गवाह के रूप में हस्ताक्षर किए।

जीते जी सेवा, मरने के बाद भी सेवा

भावुक होते हुए अर्जुन प्रसाद दुबे ने कहा

जीवन भर तो सेवा की, मृत्यु के बाद भी शरीर किसी के काम आ जाए, इससे बड़ा पुण्य और क्या होगा। डॉक्टर बनने वाले बच्चों को पढ़ने के लिए शरीर मिले, यही मेरी इच्छा है। मेरा शरीर मिट्टी में मिलने से अच्छा है कि वह किसी डॉक्टर के हाथों में ज्ञान बने। उनकी इस बात ने वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम कर दीं।

बेमेतरा में चारों ओर प्रशंसा

पार्षद नीतू कोठारी ने कहा कि अर्जुन प्रसाद दुबे का यह निर्णय पूरे बेमेतरा के लिए प्रेरणा है। देहदान जैसा बड़ा फैसला लेना सबके बस की बात नहीं। यह समाज के लिए एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि इस पहल से जिले में देहदान और अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोग आगे आएंगे। उल्लेखनीय है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को मानव शरीर की बारीकियों को समझने के लिए देहदान से मिले शवों की अत्यंत आवश्यकता होती है। एक दान किया गया शरीर सैकड़ों भावी डॉक्टरों को प्रशिक्षित करता है, जो आगे चलकर हजारों जिंदगियां बचाते हैं।

अर्जुन प्रसाद दुबे के इस महादान ने बेमेतरा को एक बार फिर मानवता के नक्शे पर स्थापित कर दिया है।

महतारी वंदन योजना से साकार हो रहा दो सुकन्याओं का सुनहरा भविष्य

- **आर्थिक सहायता को बेटियों की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए बचत में बदल रहीं गायत्री नेताम**

कांकेर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उनके परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महतारी वंदन योजना से लाभान्वित नरहरपुर आवासपारा वार्ड क्रमांक 11 की निवासी गायत्री नेताम इसकी एक प्रेरणादायक मिसाल है। उन्होंने योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता का सदुपयोग करते हुए अपनी दोनों बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी है। गायत्री नेताम बताती है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नाजिमा बेगम के सहयोग से उन्होंने महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन किया था। मार्च 2024 से उन्हें प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। यह राशि उनके लिए आर्थिक संबल साबित हो रही है और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मदद कर रही है। गायत्री ने इस सहायता राशि को केवल वर्तमान की जरूरतों तक सीमित न रखते हुए अपनी बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने का माध्यम बनाया है। उन्होंने अपनी दोनों बेटियों के नाम से सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खाते खुलवाए हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि में से एक हिस्सा वह नियमित रूप से बेटियों के भविष्य के लिए बचत कर रही है। उनका उद्देश्य है कि भविष्य में बेटियों की शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध हो सके। महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक सहायता ने गायत्री को बचत के प्रति प्रोत्साहित किया है। अब वह अपनी बेटियों के सपनों को साकार करने के लिए आज से ही तैयारी कर रही हैं।

कलेक्ट्रेट में पहले दिन 40 हजार 840 रुपए के उत्पाद बिके

अभिहान दीदियों के हुनर से रोशन होगी दीपावली, कलेक्ट्रेट परिसर में प्रतिदिन स्टॉल लगाने का प्रयास

- **कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और जिला पंचायत सीईओ सहित अधिकारियों ने खरीदारी कर बढ़ाया महिला समूहों का उत्साह**

सारंगढ़-बिलाईगढ़। दीपावली की तैयारियों के बीच कलेक्ट्रेट परिसर में बिहान की दीदियों के स्वनिर्मित उत्पादों से सजे स्टॉलों ने लोगों का ध्यान खींचा। मिट्टी के दीपक और रुई की बातियों से लेकर मिठाइयों, पूजा सामग्री, सजावटी सामान और बांस से बनी घरेलू वस्तुओं तक, हर उत्पाद में महिला समूहों की मेहनत और हुनर की झलक दिखाई दी। पहले ही दिन समूहों ने 40 हजार 840 रुपए के उत्पादों की बिक्री की। स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों के स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने और उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए गए इन स्टॉलों पर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू, पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषिकेश तिवारी सहित जिला स्तरीय अधिकारियों ने पहुंचकर खरीदारी की और महिलाओं का उत्साह बढ़ाया। कलेक्टर श्रीमती साहू ने स्टॉलों का अवलोकन कर महिलाओं से उनके उत्पादों और कार्यों की जानकारी ली।

उन्होंने स्वयं भी खरीदारी की और अधिकारियों तथा आम नागरिकों से दीपावली सहित अन्य अवसरों पर बिहान की दीदियों द्वारा तैयार वस्तुओं को प्राथमिकता देने की अपील की, ताकि महिला समूहों को बाजार मिले और उनकी आजीविका को मजबूती मिले। कलेक्ट्रेट परिसर में प्रतिदिन स्टॉल लगाने का भी प्रयास किया जाएगा। रोशनी संकुल संगठन की महिलाओं ने मिट्टी के दीपक, पेड़ा, शुद्ध देशी गाय के घी से बने उत्पाद, झालर और पर्दे प्रदर्शित किए। साथी आजीविका केंद्र के स्टॉल पर अचार, पूजा थाली, गिफ्ट टोकरी, दीपक, झालर, साबुन और हाथ से तैयार रुई की बातियां उपलब्ध रहीं।

पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने मिठाई, दीपक और बातियों की खरीदारी की। जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी और अन्य अधिकारियों ने भी समूहों के उत्पाद खरीदे। भाटाकोना के तुलसी समूह ने बांस से हस्तनिर्मित झाड़ू, टोकरी, सूपा और पर्री सहित घरेलू उपयोग की पारंपरिक वस्तुओं का स्टॉल लगाया। दीपावली के अवसर पर कलेक्ट्रेट में मिले इस मंच से महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का अवसर मिला।

कांकेर में जिला स्तरीय युवा उत्सव अब 31 अक्टूबर को होगा आयोजित

- **चक्रवात के कारण वर्षा की संभावना को देखते हुए आयोजन की तिथि में किया गया बदलाव**

कांकेर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव की तिथि में बदलाव किया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार युवा उत्सव का आयोजन 29 अक्टूबर को किया जाना था, लेकिन मौसम विभाग द्वारा चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में 27 से 29 अक्टूबर तक वर्षा होने की संभावना जताए जाने के कारण अब इसका आयोजन 31 अक्टूबर शनिवार को प्रात: 10 बजे से नया बस स्टैंड डोम कांकेर में किया जाएगा। इसमें 15 से 29 वर्ष के युवा प्रतिभागी के रूप में भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिताओं में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज और पारंपरिक वेशभूषा शामिल हैं। युवा उत्सव का उद्देश्य युवाओं के बीच पारस्परिक एकीकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा एकता की भावना को सुदृढ़ करना है। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

300 से भी अधिक युवा, महिला एवं गायत्री परिजन इस प्रशिक्षण मे हिस्सा लिया

श्री गायत्री प्रज्ञा पीठ भटगांव में व्यक्तित्व निर्माण युवा एवं नारी सशक्तिकरण प्रशिक्षण शिविर संपन्न

भटगांव। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में श्री गायत्री प्रज्ञा पी में एक दिवसीय नि:शुल्क व्यक्तित्व निर्माण, युवा एवं नारी सशक्तिकरण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माताजी भगवती देवी के चित्र पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं पूजन से हुआ। इस दौरान शशिकांत साहू एवं महिला मंडल की सदस्यों ने मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया। गायत्री परिवार की मातृशक्ति बड़ी संख्या मे विराजमान रही एवं स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग संस्थान के बच्चे इस शिविर मे बड़ी संख्या मे शामिल होकर शिविर का लाभ उठाया. वहीं कार्यक्रम के स्वागत वंदन एवं देवपूजन के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ और लगभग 10:00 से 12:00 बजे – व्यक्तित्व निर्माण शशिकांत साहू द्वारा, 12:00 से 1:00 बजे तक परिवार निर्माण प्रशिक्षण छाया पटेल द्वारा, 2:00 से 4:00 बजे तक आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी का प्रशिक्षण – पुष्पा वर्मा द्वारा एवं 4:00 से 5:00 बजे – नारी जागरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन का प्रशिक्षण – पिंकी रजक द्वारा दिया गया. वहीं 5:00 से 6:00 बजे – विदाई एवं आभार कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जहाँ नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन, एल्डरमेन तुलसी आदित्य, पटेल समाज के प्रान्त अध्यक्ष सुरेंद्र पटेल, साईं सेवा समिति के प्रमुख पंकज दुबे, भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज सिंह दीक्षित, फूलचंद जायसवाल, सुरेश केशरवानी, रामदुलार साहू, गायत्री प्रज्ञा पीठ के संस्थापक बोधीराम साहू द्वारा ने अपने वाणी व उद्बोधन से कार्यक्रम की सराहना की. इस दौरान उपस्थित सभी माताओं-बहनों और युवतियों ने बड़े ध्यान से प्रशिक्षण को सुना और अपनी नोटबुक में महत्वपूर्ण बातें लिखीं, वहीं कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा – हम बदलेंगे, युग बदलेगा – हम सुधरेंगे, समाज सुधरेगाऔर शालीन युवा श्रेष्ठ राष्ट्र, स्वस्थ युवा सबल राष्ट्र – सुसंस्कारित युवा, सशक्त नारी, समृद्ध समाज। वहीं कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्रखर इंडिया न्यूज़ चैनल मे एडिटर के. पी. पटेल के सौजन्य से किया गया.अंत में नारी तू नारायणी समिति एवं गायत्री महिला मण्डल एवं युवा मण्डल समिति के सदस्यों ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ कार्रवाई, एक रात में 40 चालक शराब के नशे में मिले

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए रायपुर यातायात पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया। 25 अक्टूबर की रात शहर के 9 प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर की गई जांच में 40 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए। इनके सहित कुल 53 वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। डीसीपी ट्रैफिक एवं प्रोटोकॉल डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान के दौरान संदिग्ध वाहन चालकों की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई। कार, पिकअप, ई-रिक्शा, मेटाडोर और दोपहिया वाहनों सहित विभिन्न श्रेणियों के वाहनों की जांच की गई। यातायात पुलिस के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक शराब पीकर वाहन चलाने के 4,132 मामलों में वैधानिक कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप

रायपुर। अभियान संवेदना के तहत लैलूंगा पुलिस ने नाबालिग बालिका के शारीरिक शोषण के मामले में 19 वर्षीय युवक संजय यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी 24 घंटे के भीतर की गई। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि फरवरी 2025 में उनकी लगभग 17 वर्षीय बेटी गांव के जंगल में बैल चराने गई थी। वहां से लौटने के बाद बालिका ने परिजनों को बताया कि पास के गांव के संजय यादव ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर बालिका को अपने साथ रखा और करीब छह महीने तक उसका शारीरिक शोषण किया। पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर लैलूंगा थाने में अपराध क्रमांक 329/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(द्व) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 4 और 6 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने बालिका की आयु के सत्यापन के लिए जन्म प्रमाण पत्र जब्त किया और उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

बंद इस्पात फैक्ट्री के चौकीदार को बांधकर 17 लाख का सामान लूटा

रायपुर। राजधानी रायपुर के हीरापुर स्थित बंद अमरनाथ इस्पात फैक्ट्री में चौकीदार को बंधक बनाकर डकैती करने के मामले में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और कबीर नगर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 17 लाख रुपये कीमत का लूटा गया सामान, वारदात में इस्तेमाल टाटा एस वाहन, स्कूटी और अन्य उपकरण जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने वारदात से पहले करीब एक सप्ताह तक फैक्ट्री की रेकी की थी। मामले में शामिल अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी दिलीप कुमार वर्मा तेन्दुआ रोड, हीरापुर स्थित वर्ष 2020 से बंद अमरनाथ इस्पात फैक्ट्री में चौकीदार हैं।

करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर

इसका संरक्षण एवं संवर्धन हम सभी का नैतिक दायित्व-मुख्यमंत्री साय

- प्रकृति के प्रति आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है करम परब : मुख्यमंत्री
- ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम परिसर में उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ, रायपुर द्वारा आयोजित करम पूजा परब 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने करम राजा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने भारत माता के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। यह पर्व प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, प्रेम और सम्मान की भावना को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की जो परंपरा विकसित की, वह आज भी हमारे समाज को महत्वपूर्ण संदेश देती है। करम परब इसी जीवनदर्शन का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति के संरक्षण, सामाजिक एकता और सामूहिक जीवन के मूल्यों से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपर्वों, परंपराओं और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव से है। प्रदेश के विभिन्न जनजातीय समाजों ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखा है। करम परब भी ऐसी ही गौरवशाली परंपरा है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के साथ परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने और आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं केवल उत्सव मनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनमें हमारे पूर्वजों का ज्ञान, जीवनमूल्य और समाज को एकजुट रखने की भावना समाहित है। इन परंपराओं को जीवंत बनाए रखना और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। जब हमारी नई पीढ़ी अपनी भाषा, लोकगीतों, लोकनृत्यों और पारंपरिक पर्वों से जुड़ी रहेगी, तभी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत निरंतर आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि करम परब जैसे आयोजन समाज के लोगों को एक मंच पर लाने के साथ आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं। ऐसे अवसरों पर समाज के वरिष्ठजनों से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने उरांव समाज द्वारा अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज की सक्रिय सहभागिता से ही हमारी सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सकेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर रायपुर जिले के गनोद गांव में उरांव समाज के लिए 50 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही समाज के लोगों को एकजुट होकर अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विविध जनजातीय परंपराएं प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार हैं।

छत्तीसगढ़ी गाना बजाने को लेकर बार में विवाद

रायपुर। राजधानी रायपुर के आश्रम तिराहा स्थित जिओन बार में छत्तीसगढ़ी गाना बजाने को लेकर विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 25 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। विवाद के दौरान ग्राहकों और बार कर्मचारियों के बीच जमकर कहासुनी हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, योगेश चिचोलकर अपने दो साथियों के साथ रविवार रात करीब 11:30 बजे जिओन बार पहुंचा था। यहां छत्तीसगढ़ी गाना बजाने को लेकर ग्राहकों और कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। ग्राहक पक्ष का आरोप है कि विरोध करने पर बार कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट की। वहीं, बार कर्मचारी दीपक मिश्रा का आरोप है कि ग्राहकों ने गाना बजाने की जिद करते हुए गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट की। योगेश चिचोलकर ने अपनी शिकायत में बार कर्मचारी दीपक मिश्रा, बबलू सिंह और उनके साथियों पर हाथ-मुक्कों तथा बैट-बल्ले से मारपीट करने का आरोप लगाया है। शिकायत के मुताबिक, योगेश और उसके साथियों को चोटें आई हैं। वहीं, बार में वेटर का काम करने वाले दीपक मिश्रा ने भी ग्राहकों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उसने आरोप लगाया कि गाना बजाने से मना करने पर ग्राहकों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। विवाद बढ़ने पर बार मैनेजर और अन्य कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया। आजाद चौक थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है।

दीपावली के पूर्व शहर स्वच्छ राजधानी दिखना चाहिए-महापौर मीनल चौबे.....

- किसी मुख्य मार्ग में कचरा नहीं दिखना चाहिए यह प्राथमिकता से सुनिश्चित हो

रायपुर। संवाददाता

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने नगर पालिक निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर बैठक लेकर सफाई कार्य की समीक्षा करते हुए नगर हित में आवश्यक निर्देश स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों एवं सफाई ठेकेदारो को दिये। महापौर मीनल चौबे ने स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय सहित सहायक स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों, वार्डो के अनुबंधित सफाई ठेकेदारो की उपस्थिति में रायपुर की सफाई व्यवस्था की समीक्षा करने बैठक ली एवं दीपावली के पूर्व राजधानी शहर के अनेक स्थानो पर गंदगी व कचरा दिखने को लेकर सफाई ठेकेदारो एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को जमकर फटकार लगायी। महापौर ने कहा कि राजधानी शहर की सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही कदापि सहन नहीं की जायेगी। महापौर मीनल चौबे ने दीपावली के पूर्व राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में कचरा व गंदगी हटाने विशेष सफाई अभियान चलाने के सख्त निर्देश सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों एवं अनुबंधित सफाई ठेकेदारो को दिये। महापौर ने कहा कि दीपावली के पूर्व राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र स्वच्छ राजधानी की तरह दिखना चाहिए। शहर के किसी भी मुख्य मार्ग पर कचरा और गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारी स्वच्छता निरीक्षको सहित जोन कमिश्नरो के साथ दीपावली के पूर्व प्रतिदिन मुख्य मार्गों एवं वार्डो की विशेष सफाई करवाकर गंदगी व कचरा हटाने का कार्य प्राथमिकता के साथ करवाना सुनिश्चित करें।

सेवा सेतु से महज दो दिन में मिला आय प्रमाण पत्र, विशाल संदीप सोरेन को मिली बड़ी राहत

- ऑनलाइन आवेदन से आसान हुई शासकीय सेवा, समय पर प्रमाण पत्र मिलने से विशाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल सेवा पहल 'सेवा सेतु' आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऑनलाइन माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के लिए आवेदन और प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा से नागरिकों को राहत मिल रही है। इसी क्रम में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के नगर पंचायत नई लेदरी निवासी विशाल संदीप सोरेन को सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने के महज दो दिनों के भीतर आय प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। कम समय में आवश्यक दस्तावेज मिलने से उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन की इस सुविधा की सराहना की। तहसील मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत नगर पंचायत नई लेदरी निवासी विशाल संदीप सोरेन, पिता विलियम सोरेन ने आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन के परीक्षण एवं निर्धारित औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात मात्र दो दिनों में उनका आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। जारी प्रमाण पत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उनके परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 1 लाख 8 हजार रुपये दर्ज की गई है। निर्धारित समय में प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा मिली। आय प्रमाण पत्र शिक्षा, छात्रवृत्ति, विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं अन्य पात्रता संबंधी कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र प्राप्त होने से नागरिकों को अपने आवश्यक कार्य पूरे करने में आसानी होती है। सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा ने शासकीय सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच को अधिक सरल बनाता है। डिजिटल प्रक्रिया से आवेदन एवं प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था में पारदर्शिता के साथ समयबद्धता को भी बढ़ावा मिल रहा है। मात्र दो दिनों में आय प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर विशाल संदीप सोरेन ने खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने बताया कि सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने और कम समय में प्रमाण पत्र प्राप्त होने से उन्हें काफी सुविधा हुई।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से श्रीमती रेखा बारीक को मिली आर्थिक सहायता

- योजना से गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार और माँ-बच्चे के पोषण में मिली मदद

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं एवं माताओं के लिए आर्थिक संबल बन रही है। योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार लेने तथा माँ और बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण पर ध्यान देने में मदद मिल रही है। गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखंड अंतर्गत ग्राम सहसपुर की निवासी श्रीमती रेखा बारीक भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। श्रीमती बारीक ने बताया कि उनकी दो बेटियां हैं। पहली संतान के जन्म पर उन्हें योजना के तहत दो किस्तों में कुल 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली। इसमें पहली किस्त के रूप में 3 हजार रुपये तथा दूसरी किस्त के रूप में 2 हजार रुपये प्रदान किए गए। वहीं, दूसरी बेटी के जन्म पर उन्हें 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता एकमुश्त प्राप्त हुई। इस राशि से उन्हें बच्चों के पोषण एवं देखभाल में आर्थिक मदद मिली। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से उनका पंजीयन प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत कराया गया था। इसके बाद योजना की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि राशि सीधे खाते में आने से योजना का लाभ प्राप्त करना सरल और सुविधाजनक रहा। श्रीमती रेखा बारीक ने योजना के माध्यम से मिली आर्थिक सहायता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

47 ग्राम अफीम के साथ पकड़ाया एक युवक.....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की सिल्वर रंग की ब्रेजा कार से 47 ग्राम अफीम बरामद की है। जब्त अफीम की कीमत करीब 10 हजार रुपये और कार की कीमत लगभग 8 लाख रुपये आंकी गई है। इस तरह पुलिस ने कुल 8.10 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 25 अक्टूबर 2026 को थाना प्रभारी निरीक्षक अमित तिवारी को सूचना मिली थी कि ढिमरापुर चौक के पास एक युवक कार में अफीम रखकर ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना के आधार पर उप निरीक्षक विजय कुमार एक्का के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध कार क्रमांक सीजी 13 एक्यू 4225 के पास मौजूद युवक को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान अमरजीत सिंह (20 वर्ष), निवासी रामभांठा, जगतपुर, रायगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार की तलाशी ली। इस दौरान ड्राइवर सीट के नीचे काले रंग की प्लास्टिक पन्नी में छिपाकर रखी गई 47 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने अफीम एक ट्रक चालक से खरीदने की बात बताई है। पुलिस अब मादक पदार्थ की आपूर्ति से जुड़े अन्य संभावित लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटा सकती है।

न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स का मैच 1-1 से ड्रॉ

बैलाडिला बुल्स ने दर्ज की पहली जीत,सेमीफाइनल की आस बाकी

- पहले हाफके अंत तक, बुल्स एक गोल की बढ़त के साथ आगे थे तीसरे और चौथे क्वार्टर में भी खिलाड़ियों को बारिश से जूझना पड़ा

रायपुर/ संवाददाता

बारिश से प्रभावित राजधानी रॉयल्स बनाम बैलाडिला बुल्स के मुकाबले में चिंगलेनसाना सिंह की टीम ने आज रात छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में 1-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के बाद बुल्स ने सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा है। वहीं रॉयल्स बिना कोई जीत हासिल किए टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। बारिश के कारण करीब एक घंटे देर से शुरू हुए मैच में लीग में अपनी पहली जीत की तलाश कर रही बुल्स को अपने पहले गोल के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। जैसे ही सर्कल में मौका बना, राहुल यादव ने गेंद पर जोरदार शॉट मारा, जिससे उनकी टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। पूरे मैच में कई मौके बनने के बावजूद 60 मिनट के खेल में यही एकमात्र गोल रहा। गीले मैदान में जब रॉयल्स की टीम बुल्स के हाफमें प्रवेश करने के लिए भी संघर्ष कर रही थी, तब बुल्स ने लगभग अपना दूसरा गोल कर ही लिया था। गोपाल पैकरा ने गेंद को गोलपोस्ट की तरफ मोड़ा, लेकिन अंपायर ने इस गोल को अमान्य करार दिया। हालात काफी खराब थे, फिर भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पास सही जगह तक नहीं पहुंच पा रहे थे और शॉट्स की गति भी काफी कम हो गई थी। बुल्स के जसकरण को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दोनों बार गेंद को अंदर भेजने (इंजैक्शन) का तरीका सही नहीं रहा, जिससे कोई गोल नहीं हो सका। पहले हाफके अंत तक, बुल्स एक गोल की बढ़त के साथ आगे थे। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भी खिलाड़ियों को बारिश से जूझना पड़ा। सर्कल में भरे पानी की वजह से फॉरवर्ड लाइन अपनी मनचाही रणनीति के साथ नहीं खेल पाई। कुल मिलाकर रॉयल्स के लिए पूरी लीग काफी निराशाजनक रही। रॉयल्स की टीम पेनल्टी कॉर्नर पर एक भी गोल नहीं कर सके, जो उनकी

हार का सबसे बड़ा कारण रहा। इसके बावजूद हिमांशु को 'प्लेयर ऑफद मैच' चुना गया, जबकि राहुल ने 'स्ट्राइकर ऑफद मैच' का पुरस्कार जीता। कम स्कोर वाले पहले मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। केतन की बदौलत नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर में खाता खोला, जबकि चौथे क्वार्टर में मोहित नायक ने टाइटन्स की वापसी कराई। इस नतीजे का मतलब यह है कि टाइटन्स को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों की ओर से कुछ हमले किए गए, लेकिन कोई भी गोल में तब्दील नहीं हो सका। हालांकि सेमीफाइनल में जगह बना चुकी नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर के अंत में गोल करके खाता खोला। केतन ने टूर्नामेंट का अपना छठा गोल किया, जब उन्होंने रिबाउंड पर गेंद को गोलकीपर के पार पहुंचा दिया। इस तरह वे हाफ-टाइम तक 1-0 की बढ़त के साथ गए। तीसरा क्वार्टर काफी शांत रहा। नाइट्स के मजबूत डिफेंस ने विपक्षी टीम की फॉरवर्ड लाइन के लिए गोल करना नामुमकिन बना दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सर्कल के अंदर गेंद किसी खिलाड़ी के पैर से न छुए, जिससे स्कोर 1-0 पर ही टिका रहा। लेकिन मैच के अहम मोड़ पर मैनपाट को कुछ खास करने की जरूरत थी। उन्होंने अटैक में ज्यादा खिलाड़ियों को लगाया, जिसका नतीजा यह रहा कि मोहित ने उनके लिए गोल कर दिया। केतन को 'स्ट्राइकर ऑफद मैच' का पुरस्कार मिला, जबकि मोहित को 'प्लेयर ऑफद मैच' चुना गया। मैनपाट के पास 29 अक्टूबर को संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के खिलाफ खेलकर सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका होगा।

संपादकीय

मणिपुर में तीन साल से हिंसा, आखिर कब रुकेगा मौत का यह सिलसिला?

सवाल है कि सिर्फ मुख्य मुद्दे को संबोधित करके कुकी-जो और मैतेई समुदायों के बीच संवाद के जरिए जिस समस्या का समाधान निकाला जा सकता था, उसकी आंच फैलती क्यों गई। मणिपुर में हिंसा की शुरुआत हुए तीन साल से ज्यादा गुजर जाने के बाद आज भी अगर उग्रवादियों के हमले जारी हैं और उसमें लोगों को जान गंवानी पड़ रही है, तो यह पूरी तरह सरकार की नाकामी है, मगर इसकी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। इस राज्य को ऐसे उदाहरण के तौर पर देखा जा सकता है, जहां सरकार और समूचे तंत्र की अदूरदर्शिता की वजह से दो अलग समुदायों के बीच टकराव खड़ा हुआ और वह निरंतर हिंसा के एक जटिल स्वरूप में तब्दील होता गया। आज भी हालत यह है कि हर कुछ दिनों बाद लोगों के मारे जाने या किसी गांव में घर खाक किए जाने की खबरें आ रही हैं।सोमवार को इंफाल पूर्वी और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर जंगल से जलावन की लकड़ियां इकट्ठा कर रहे सोलह लोगों के समूह पर उग्रवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें तीन की जान चली गई, कई घायल हो गए और कुछ लापता भी बताए जा रहे हैं। इसके बाद की औपचारिकता पूरी करने के लिए सरकार की ओर से समीक्षा बैठक बुलाई गई, घटना की कड़ी निंदा की गई और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए।विचित्र यह है कि मई, 2023 में जब पहली बार मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच तनाव एवं हिंसा की शुरुआत हुई थी, तब से इसकी निंदा करने या सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश देने में सरकार ने कोई कमी नहीं की, लेकिन वहां अब भी अलग-अलग समुदायों के बीच हिंसक टकराव की घटनाएं जारी हैं। बल्कि पहले मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले से उपजा जो विवाद कुकी-जो के बीच सिमटा था, बाद में अलग कारणों से उसका दायरा नगा समुदाय तक भी फैल गया।सवाल है कि सिर्फ मुख्य मुद्दे को संबोधित करके कुकी-जो और मैतेई समुदायों के बीच संवाद के जरिए जिस समस्या का समाधान निकाला जा सकता था, उसकी आंच फैलती क्यों गई। इतने लंबे समय से हिंसक घटनाएं लगातार जारी हैं, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है और आज मणिपुर में जटिल हालात के लिए कौन जवाबदेह है?ऐसा लगता है कि मणिपुर को हिंसा के दुश्चक्र से बाहर निकालने के लिए राज्य सरकार के भीतर कोई इच्छाशक्ति नहीं बची है और उसने परिस्थितियों के सामने समर्पण कर दिया है। वरना क्या कारण है कि राज्य और केंद्र सरकार के तंत्र की घोषित सक्रियता और सभी स्तरों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद उग्रवादी समूहों के हमले और उनमें लोगों के मारे जाने की घटनाओं को रोकना संभव नहीं हो पा रहा है।

बड़ा संकट- मौसम की मार से खेती को बचाने की चुनौती

हालांकि, प्राकृतिक घटनाओं से होने वाला नुकसान केवल मौसम पर निर्भर नहीं करता। भूजल का अत्यधिक दोहन, जंगलों का क्षरण, अनियोजित निर्माण और जल निकासी की कमजोर व्यवस्था भी संकट को बढ़ाते हैं। बारिश का पानी यदि तेजी से बहकर निकल जाए, तो एक ओर जलभराव का खतरा बढ़ता है। दूसरी ओर भविष्य के लिए पानी संचित नहीं हो पाता। ऐसे में मौसम के साथ जल प्रबंधन की कमियों को दूर करना भी जरूरी है।

(विनोद पाठक)

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 15 अक्तूबर 2026 तक दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी पूरे देश से हो चुकी है। इस वर्ष मानसूनी बारिश दीर्घकालिक औसत से लगभग 13 प्रतिशत कम रही। दूसरी ओर, दक्षिण भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून का दौर शुरू हो गया है, जो तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में खेती का भविष्य अब केवल मानसून की मेहरबानी पर निर्भर नहीं रह सकता। कभी बारिश की कमी खेतों को सुखा देती है तो कभी कुछ घंटों की मूसलाधार बारिश खड़ी फसल बर्बाद कर देती है। बाढ़, सूखा, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की बढ़ती चुनौतियों ने किसानों के सामने एक बुनियादी सवाल खड़ा कर दिया है, जब मौसम का मिजाज अनिश्चित है तो खेती को सुरक्षित कैसे बनाया जाए?

समस्या केवल पानी की कमी या अधिकता नहीं, बल्कि फसल की जरूरत के समय पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 15 अक्टूबर 2026 तक दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी पूरे देश से हो चुकी है। इस वर्ष मानसूनी बारिश दीर्घकालिक औसत से लगभग 13 प्रतिशत कम रही। दूसरी ओर, दक्षिण भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून का दौर शुरू हो गया है, जो तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, राष्ट्रीय औसत से कम बारिश का अर्थ यह नहीं कि पूरा देश सूखे की चपेट में है। स्थिति का वास्तविक आकलन स्थानीय वर्षा, मिट्टी की नमी, जलाशयों और सिंचाई की उपलब्धता के आधार पर ही किया जा सकता है। फिर भी मानसून की कमी ने रबी की फसलों की तैयारी को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है।

सिर्फ कम बारिश ही नहीं है चुनौती...: खेती के लिए बारिश की कुल मात्रा से अधिक उसका समय और वितरण मायने रखता है। बुआई के समय नमी न मिले, फसल की बढ़वार के दौरान लंबा शुष्क अंतराल पड़ जाए या कटाई के समय तेज बारिश हो जाए तो उत्पादन प्रभावित होना तय है। सामान्य से अधिक बारिश वाले साल में भी किसी इलाके में सूखे जैसी स्थिति बन सकती है, जबकि कम बारिश के बावजूद अचानक आई मूसलाधार वर्षा बाढ़ का कारण बन सकती है। इसलिए कृषि नियोजन में केवल मानसून के आंकड़ों के बजाय स्थानीय परिस्थितियों को प्राथमिकता देनी होगी।

जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान और बदलते वर्षा पैटर्न इस चुनौती को गंभीर बना रहे हैं। हालांकि, प्राकृतिक घटनाओं से होने वाला नुकसान केवल मौसम पर निर्भर नहीं करता। भूजल का अत्यधिक दोहन, जंगलों का क्षरण, अनियोजित निर्माण और जल निकासी की कमजोर व्यवस्था भी संकट को बढ़ाते हैं। बारिश का पानी यदि तेजी से बहकर निकल जाए, तो एक ओर जलभराव का खतरा बढ़ता है। दूसरी ओर भविष्य के लिए पानी संचित नहीं हो पाता। ऐसे में मौसम के साथ जल प्रबंधन की कमियों को दूर करना भी जरूरी है। मानसून की विदाई के बाद अब गेहूं, सरसों, चना और दूसरी रबी फसलों की तैयारी का समय है। कम बारिश वाले क्षेत्रों में किसानों को बुआई से पहले मिट्टी की नमी और सिंचाई के साधनों का आकलन करना होगा। पानी की कमी से फसल की बढ़वार प्रभावित हो सकती है, जबकि सिंचाई पर निर्भरता बढ़ने से बिजली, डीजल और अन्य लागतों का बोझ बढ़ेगा। सीमित संसाधनों वाले किसानों के लिए यह अतिरिक्त खर्च बड़ी परेशानी बन सकता है।

अलग-अलग राज्यों की अलग-अलग समस्याएं: राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में यह चुनौती विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, हालांकि राज्य के सभी जिलों की परिस्थितियां एक जैसी नहीं हैं। कहीं खेती बारिश पर निर्भर है तो कहीं भूजल सिंचाई का प्रमुख साधन है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के सिंचित क्षेत्रों में भी भूजल स्तर तथा पानी की उपलब्धता चिंता का विषय हैं। वहीं, दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में उत्तर-पूर्वी मानसून राहत दे सकता है। स्पष्ट है कि पूरे देश के लिए एक जैसी रणनीति के बजाय क्षेत्र विशेष की जरूरतों के अनुरूप कृषि योजना बनानी होगी।

इस अनिश्चितता की सबसे बड़ी कीमत छोटे और सीमांत किसानों को चुकानी पड़ती है। कृषि गणना 2015-16 के अनुसार देश की लगभग 86 प्रतिशत कृषि जोतें छोटी और सीमांत श्रेणी में थीं। सीमित जमीन और पूंजी के कारण इन किसानों के लिए फसल का नुकसान सहना कठिन होता है।

एक मौसम की मार से उनकी बचत खत्म हो सकती है और अगली बुआई के लिए कर्ज लेने की नौबत आ सकती है। इसलिए कृषि नीति का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि किसान को नुकसान से उबरने में सक्षम बनाना भी होना चाहिए।

फसल बीमा और सरकारी मुआवजा इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनका लाभ तभी है जब नुकसान का आकलन सही हो और भुगतान समय पर मिले। तकनीक से फसल क्षति का आकलन बेहतर बनाया जा सकता है, पर स्थानीय सत्यापन और शिकायत निवारण की व्यवस्था भी मजबूत करनी होगी। राहत का मकसद केवल तत्काल सहायता देना नहीं, बल्कि किसान को अगली फसल की तैयारी के लिए सक्षम बनाना होना चाहिए।

बाजार पर भी पड़ता है असर: खेती पर मौसम की मार का असर बाजार और आम उपभोक्ता तक भी पहुंचता है। उत्पादन घटने या आपूर्ति बाधित होने से खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। हालांकि, महंगाई के लिए केवल मानसून को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। परिवहन, भंडारण और बाजार की परिस्थितियां भी इसमें भूमिका निभाती हैं। फिर भी फसल की अनिश्चितता खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता और कीमतों को स्थिर रखने की चुनौती बढ़ा सकती है। इसका बोझ विशेष रूप से उन परिवारों पर पड़ता है जिनकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। इस संकट का स्थायी समाधान पानी के बेहतर प्रबंधन से शुरू होना चाहिए। वर्षा जल संचयन, खेत तालाब, जलग्रहण क्षेत्र विकास और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देना जरूरी है। जहां परिस्थितियां अनुकूल हों, वहां टपक और फव्वारा सिंचाई जैसी तकनीकों से पानी का अधिक कुशल उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही सूखा प्रभावित क्षेत्रों में कम पानी की जरूरत वाली उपयुक्त फसलों को प्रोत्साहित करना और बाढ़ संभावित इलाकों में जल निकासी सुधारना आवश्यक है।

फसल विविधीकरण के तहत बाजरा, ज्वार, दालों और तिलहनों जैसी फसलों को बढ़ावा दिया जा सकता है, लेकिन किसानों को केवल पारंपरिक फसलों से हटने की सलाह देना पर्याप्त नहीं है। वैकल्पिक फसलों के लिए बाजार, उचित मूल्य, भंडारण और प्रसंस्करण की सुविधाएं भी उपलब्ध करानी होंगी। इन व्यवस्थाओं के बिना किसान नई फसल अपनाने का जोखिम उठाने से हिचकेगा।

मौसम संबंधी पूर्वानुमान को खेत तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। किसानों को स्थानीय भाषा में समय पर ऐसी जानकारी मिलनी चाहिए, जिससे वे बुआई, सिंचाई, छिड़काव और कटाई के बारे में सही निर्णय ले सकें। कृषि विज्ञान केंद्रों, मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल से इस जानकारी का लाभ बढ़ाया जा सकता है। जिन किसानों तक डिजिटल माध्यमों की पहुंच सीमित है, उनके लिए स्थानीय स्तर पर सलाह और चेतावनी की व्यवस्था भी जरूरी है। खेती को सुरक्षित बनाने के लिए राहत योजनाओं से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी करनी होगी। कृषि अनुसंधान, मौसम के अनुकूल बीज, मिट्टी की नमी का संरक्षण, सिंचाई सुविधाएं और भरोसेमंद बीमा व्यवस्था एक साझा रणनीति का हिस्सा होने चाहिए। योजनाओं का लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि सबसे कम संसाधन रखने वाले किसान के लिए मौसम का जोखिम सबसे अधिक नुकसानदेह साबित होता है। मानसून की कमी और उत्तर-पूर्वी मानसून की शुरुआत दोनों इस बात की याद दिलाते हैं कि भारत की कृषि जरूरतें क्षेत्र के अनुसार बदलती हैं। कहीं पानी बचाना प्राथमिकता है, तो कहीं अतिरिक्त पानी से फसल की रक्षा करना। मौसम को नियंत्रित करना हमारे हाथ में नहीं, लेकिन उसके प्रभाव को कम करने की तैयारी जरूर की जा सकती है। किसान की मेहनत को केवल अनुकूल मौसम के भरोसे छोड़ना अब उचित नहीं है। जल संरक्षण, स्थानीय जरूरतों के अनुरूप फसल चयन, समय पर मौसम संबंधी जानकारी और प्रभावी बीमा व्यवस्था से खेती को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। कृषि नीति की असली कसौटी यही है कि मौसम चाहे जैसा हो, किसान अपनी फसल बचाने और अगली बुआई की तैयारी करने में कितना सक्षम है।

ट्रंप की गुंडागर्दी ने दुनिया की महंगाई बढ़ायी

आचार्य श्रीहरि

डोनाल्ड ट्रंप जैसा नमक हराम, दगाबाज, झूठा, पैंतरेबाज और अविश्वसनीय शासक दुनिया में खोजने से भी नहीं मिलेंगे, सुबह की अपनी बात को रात होते ही नकार देना, रात की अपनी बात को सुबह होते ही नकार देने की बेशर्मी सिर्फ और सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप ही दिखा सकता है, इस प्रसंग में वह दुनिया में अकेला शासक है। कब किसी देश का प्रशंसक हो जाएगा, कब किसी देश का विरोधी हो जाएगा, यह कहना मुश्किल है। दुनियां के जनमत में यह बात बैठी है कि डोनाल्ड ट्रंप से न दोस्ती अच्छी है और न ही दुश्मनी अच्छी है। दोस्ती में वह कब धोखा दे दे, यह कहना मुश्किल है, दुश्मनी तो उससे और भी खतरनाक है, उसके फरमान को न मानने वाले कमजोर देशों को तहस नहस कर देता है, अपने विरोधी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेता है, अपनी जेलों में डाल कर कैद कर लेता है। कनाडा की संप्रभुता को वह रौंदना चाहता है, कनाडा की संप्रभुता स्वतंत्र है, वह एक आजाद देश है फिर भी डोनाल्ड ट्रंप कहता है कि कनाडा को अमेरिका का प्रदेश बनाना ही पड़ेगा, अगर कनाडा अपना अस्तित्व संहार करने के लिए तैयार नहीं होता है, यानी कि वह अपना विलय अमेरिका में नहीं करना चाहता है तो हम उसे सबक सिखाएंगे, उसकी संप्रभुता को हम स्वयं संहार कर देंगे। ईरान को उसने कब्र बना दिया, आज ईरान के निर्दोष जिंदगियां आवश्यक सुविधाओं के अभाव में बेमौत मरने के लिए विवश है। भारत जैसे दुनियां का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भी डोनाल्ड ट्रंप की पैंतरेबाजी का शिकार है जबकि आतंकी देश पाकिस्तान को वह गले भी लगाता है, पाकिस्तान के खूंखार सेनापति मुनीर को अमेरिका आमंत्रित कर चरण वंदना करता है। वह अपने दोस्त और अमेरिका का हर समय साथ देने के लिए प्रेरित रहने वाले इस्राइल को भी दगा दे देता है और प्रतिरक्षा के लिए उसके हाथ बांध देता है, हमास और हिज्बुल्लाह पर कार्रवाई करने से इस्राइल को रोक देता है।

अभी अभी ट्रंप की नई दगाबाजी देखकर दुनिया हैरान है और परेशान है और यह सोचने के लिए विवश हुआ कि अपने हित के लिए किसी को भी वह बलि चढ़ाने से भी पीछे नहीं हटेगा। उसने अपने हित में यूक्रेन की बलि चढ़ाई है, उसके इस अपराध से करोड़ों लोगों की आजादी छीनेगी, करोड़ों लोगों पर हिंसा ग्राह बनेगी, बुनियादी सुविधाएं नष्ट होंगी, जिससे मानवता तड़पेगी, मानवता का संहार होगा। यूक्रेन के भविष्य और यूक्रेन की आजादी की कीमत पर ट्रंप ने अपने हित साधे है। ट्रंप की डीजल पेट्रोल कूटनीति यूक्रेन के काल बन गई और रूस के लिए वरदान बन गई। ब्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप ने डीजल पेट्रोल समझौता किया है। इस समझौते के अनुसार अमेरिका रूस से सस्ता डीजल पेट्रोल खरीदेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने डंके की चोट पर इस समझौते को सार्वजनिक किया है। उसने अपने बयान में कहा है कि रूस से सस्ता डीजल पेट्रोल खरीद कर अमेरिका अपने यहां महंगाई को थामेगा, महंगा डीजल और पेट्रोल से अमेरिका की अर्थव्यवस्था तबाह थी और अमेरिकी नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। रूस का राष्ट्रपति बहुत पैंतरेबाज है, वह दयावान नहीं है, वह भी ट्रंप की तरह ही पैंतरेबाजी में महारत है। उसने सस्ते डीजल और पेट्रोल देने की बहुत बड़ी कीमत भी वसूली है। उसने यूक्रेन पर घातक और अतिसंहारक हथियारों से हमला करने का अधिकार हासिल कर लिया, उसने अपने बर्बर और अमानवीय हमलों का अधिकार हासिल कर लिया, उसने यूक्रेन के बिजली घरों और तेल कारखानों पर हमले का भी अधिकार ले लिया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह अधिकार रूस को दे दिया। ट्रम ने पुतिन को कह दिया कि मुझे अपना हित अनिवार्य है, जरूरी है, भाड़ में जाए यूक्रेन, आप जैसा हमला करेंगे वैसा मुझे मंजूर है, हम विरोध नहीं करेंगे, कोई मानवता हनन की बात नहीं कहेंगे, इतना ही नहीं बल्कि हम यूक्रेन पर रूस के अधिकार पर भी विरोध नहीं करेंगे। जेलेंस्की को आत्म समर्पण कर देना चाहिए, जेलेंस्की पागल है।

जेलेंस्की का पक्ष सुन लीजिये, उनकी पीड़ा सुन लीजिये, उनका अपने देश के प्रति प्रेम, समर्पण और अपने देश के लिए बलिदान होने का जज्बा भी जान लीजिये। डोनाल्ड ट्रंप को उन्होंने सीधे लताड़ दिया, ट्रंप को धोखेबाज तक कह दिया। उन्होंने ट्रंप और पुतिन की इस डील को नकार दिया। जिलेस्की ने अपने एक बयान में कह दिया कि हम अपने देश की सुरक्षा खुद करेंगे, मर जाएंगे, मिट जाएंगे पर पुतिन के सामने झुकेंगे नहीं। रूस ने ट्रंप का साथ मिलने से यूक्रेन पर कब्जा करने और उसे गुलाम बनाने का सपना देखने लगा। रूस ने यूक्रेन पर ताबड़ तोड़ हमले किए हैं, युद्ध की सारी परम्पराओं को उसने तोड़ दिया। युद्ध परम्परा यह है कि आबादी वाले क्षेत्रों पर हमले नहीं किए जाते हैं, जन की आवश्यक स्थलों और जन सुविधाओं पर हमले करने से परहेज किया जाता है। पर रूस ने ताजा हमलों में निशाना भी इन्हीं क्षेत्रों पर साधा है। खासकर बिजली घरों को नष्ट करने की नीति उसकी काफी घातक और बर्बर है। कई बड़े बिजली घरों को नष्ट कर दिया गया। जिलेस्की ने अपनी पीड़ा जताते हुए कहा है कि बिजली घरों के नष्ट होने से दो करोड़ लोग अंधेरे का सामना करने के लिए विवश है। बिजली जाने का अर्थ सिर्फ अंधेरा ही नहीं होता है बल्कि जीवन की पूरी संरचना प्रभावित होती है, आधुनिक युग का सिस्टम और व्यापार, शिक्षा तक तबाह हो जाता है।

अतीत का शोक, भविष्य का भय और वर्तमान की अनदेखी

शांति का गहरा मर्म वर्तमान की स्वीकृति में निहित है, लेकिन इसका अर्थ निष्क्रियता कतई नहीं। शांति प्रतिक्रिया और उत्तर के बीच की वह सूक्ष्म दूरी है, जिसमें मनुष्य अपने विवेक को सक्रिय होने का अवसर देता है। हमारे अधिकतर संबंध भी इसलिए बोझिल हो जाते हैं कि उनमें प्रेम से अधिक अपेक्षाएं प्रवेश कर जाती हैं। हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें वैसे ही समझे, जैसे हम स्वयं को समझते हैं, वैसे ही व्यवहार करे जैसा हम चाहते हैं और हमारी भावनाओं को बिना कहे पढ़ ले।

(प्रेरणा अवस्थी)

मनुष्य की संपूर्ण जीवन-यात्रा को अगर किसी एक अदृश्य आकांक्षा के सूत्र में पिरोया जाए, तो वह सूत्र निश्चय ही शांति की आकांक्षा होगा। भौतिक समृद्धि और उपलब्धियों के बावजूद हमारे भीतर कहीं न कहीं मन की उस स्थिर भूमि तक पहुंचने की अभिलाषा छिपी रहती है, जहां कोई अनावश्यक कंपन नहीं होता। विडंबना यह है कि शांति को अर्जित करने के लिए मनुष्य बाहर की दुनिया को निरंतर अपने अनुकूल व्यवस्थित करने का यत्न करता रहता है। नतीजतन, उसी शांति के विघटन के बीज उसके भीतर निरंतर अंकुरित होते रहते हैं।

वह शांति पाने के लिए परिस्थितियां बदलना चाहता है, जबकि आवश्यकता परिस्थितियों को बदलने से अधिक अपनी प्रतिक्रियाओं की प्रकृति बदलने की है। शांति कोई भौगोलिक स्थान नहीं, जहां पहुंचकर मनुष्य उसे प्राप्त कर ले। न ही कोई ऐसी वस्तु है, जिसे साधना, संपत्ति या उपलब्धि के माध्यम से अर्जित किया जा सके। वह तो अंतर्मन को जीवन के अनावश्यक कोलाहल से अलग करने की एक आंतरिक प्रक्रिया है। दरअसल, शांति हमें कहीं खोजनी नहीं है। हमें अपने ही जीवन से अशांति को छान-छानकर अलग करना है। यही शांति का सच्चा मर्म है।

वर्तमान की सबसे विचित्र त्रासदी यह है कि छोटी-छोटी घटनाएं हमारी मानसिक शांति को क्षत-विक्षत कर देती हैं। ये घटनाएं आकार में जितनी छोटी होती हैं, हमारे मन

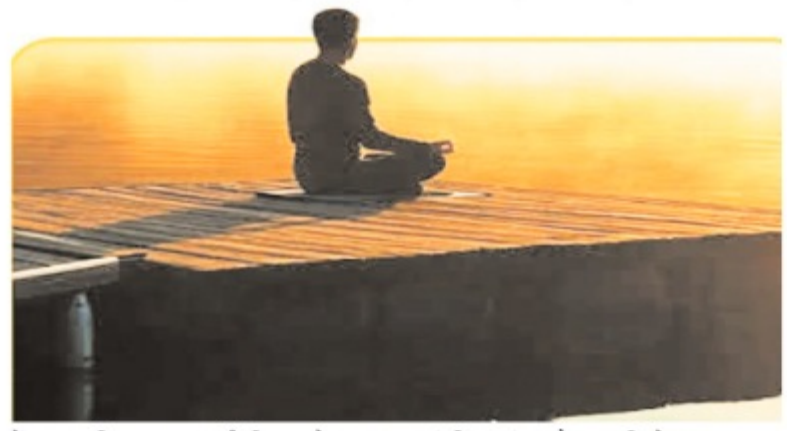

में उनका विस्तार उतना ही विराट हो जाता है। घटना कुछ क्षणों में समाप्त हो जाती है, लेकिन हम उसे स्मृति में पुनर्जीवित करके बार-बार जीते रहते हैं। पीड़ा घटना से कम और उसकी निरंतर मानसिक पुनरावृत्ति से अधिक जन्म लेने लगती है। हर शब्द को संकेत, हर मौन को उपेक्षा, हर असहमति को विरोध और हर आलोचना को अपने अस्तित्व पर आक्रमण समझ लेने की प्रवृत्ति अंतःकरण के भीतर निरंतर अस्थिरता उत्पन्न करती है। जीवन का विवेक इसी में है कि हम यह निर्धारित करना सीखें कि किस बात को अपने अंतःकरण में प्रवेश देना है और किसे बाहर ही छोड़ देना है।

ध्यान मनुष्य की सबसे मूल्यवान आंतरिक संपदा है। हम जिसे अपना ध्यान देते हैं, दरअसल उसे अपने जीवन का एक अंश दे देते हैं। इसलिए छोटी-सी बात को घंटों सोचते रहना केवल समय का अपव्यय नहीं, जीवन-ऊर्जा का क्षरण भी है। किसी के व्यवहार पर क्रोधित होते हुए हम यह भूल जाते हैं कि संभव है वह व्यक्ति स्वयं किसी संघर्ष से गुजर रहा हो। किसी व्यक्ति, वस्तु या परिस्थिति को अपनी आत्मशांति का निर्णायक बना देना नितांत बेवकूफी है। शांति का आरंभ बाहरी संसार में दखल देने से नहीं, बल्कि अपने भीतर के द्वार पर विवेक का प्रहरी नियुक्त करने से होता है।

जीवन में कुछ बातें ऐसी हैं, जिन्हें सुधारा जा सकता है, कुछ ऐसी जिन्हें केवल स्वीकार किया जा सकता है और कुछ ऐसी, जिनसे आगे बढ़ जाना ही बुद्धिमत्ता है। मगर हमारी ऊर्जा प्रायः उन्हीं बातों पर सर्वाधिक खर्च होती है, जिन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं। अतीत को बदलने की असंभव आकांक्षा, दूसरों की मानसिकता को नियंत्रित करने की निष्फल चेष्टा और भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान में जी लेना- ये तीनों मिलकर वर्तमान को हमसे छीन लेते हैं। हम भूत का शोक करते रहते हैं और जो अभी घटित ही नहीं हुआ, उसका भय पालते रहते हैं। नतीजतन, जो वास्तव में हमारे पास है, यानी वर्तमान वही हमारी चेतना से अनुपस्थित हो जाता है। शांति का गहरा मर्म वर्तमान की स्वीकृति में निहित है, लेकिन इसका अर्थ निष्क्रियता कतई नहीं। शांति प्रतिक्रिया और उत्तर के बीच की वह सूक्ष्म दूरी है, जिसमें मनुष्य अपने विवेक को सक्रिय होने का अवसर देता है। हमारे अधिकतर संबंध भी इसलिए बोझिल हो जाते हैं कि उनमें प्रेम से अधिक अपेक्षाएं प्रवेश कर जाती हैं। हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें वैसे ही समझे, जैसे हम स्वयं को समझते हैं, वैसे ही व्यवहार करे जैसा हम चाहते हैं और हमारी भावनाओं को बिना कहे पढ़ ले। जब ऐसा नहीं होता, तो शिकायत जन्म लेती है। अपेक्षा जितनी सूक्ष्म होती है, उससे उत्पन्न निराशा उतनी ही गहरी होती है। प्रश्न यह नहीं कि जीवन में कितना शोर है। प्रश्न यह है कि उस शोर को हम अपने भीतर कितनी दूर तक आने देते हैं।

समुद्र की सतह पर लहरें निरंतर उठती हैं, लेकिन उसकी गहराइयों में एक विराट निस्तब्धता मौजूद रहती है। मनुष्य को भी जीवन की सतह पर घटती हलचलों के बीच अपने भीतर ऐसी ही गहराई निर्मित करनी है। शांति प्राप्त करने की अपेक्षा उसे बचाए रखना कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है। इसके लिए कोई असाधारण साधना नहीं चाहिए। किसी बात को अनदेखा कर देना, अनावश्यक उत्तर न देना, हर आलोचना को हृदय पर न लेना, तुलना से स्वयं को मुक्त करना, अपेक्षाओं को संयमित करना, बीते हुए को विदा करना और भविष्य को उसके समय पर आने देना- ये साधारण प्रतीत होने वाले कर्म ही मन की असाधारण शांति के निर्माता हैं।

शांति उसी क्षण हमारे निकट आ जाती है, जब हम जीवन की प्रत्येक छोटी घटना को अपने मन का स्वामी बनाने से इनकार कर देते हैं। शांति का अर्थ यह नहीं कि संसार हमारे अनुकूल हो जाए। बल्कि यह है कि संसार की प्रतिकूलता हमारे अंतर्मन पर अनावश्यक अधिकार न कर सके। जीवन का सबसे बड़ा वैभव यही है कि मनुष्य सब कुछ सुन सके, लेकिन हर बात को हृदय में न उतारे। सब कुछ देख सके, लेकिन हर दृश्य से विचलित न हो। असहमति सह सके, लेकिन द्वेष न पाले और जीवन की अनगिनत हलचलों के बीच अपने भीतर एक ऐसा कोना सुरक्षित रख सके, जहां संसार की कोई क्षणिक घटना प्रवेश न कर सके। शांति हमारे ही भीतर उस स्थान पर प्रतीक्षारत है, जहां अनावश्यक अपेक्षाएं समाप्त होती हैं, प्रतिक्रियाएं विराम लेती हैं और जीवन अपने सहज, निर्विकार स्वरूप में दिखाई देने लगता है।

अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

जनदर्शन में कलेक्टर जांगड़े ने सुनीं आम नागरिकों की समस्याएं

एमसीबी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। इस दौरान भूमि विवाद, आर्थिक सहायता, पेयजल, निर्माण कार्य, नामांतरण, शासकीय नियुक्ति, ऋण स्वीकृति और सीमांकन सहित विभिन्न मामलों में आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने और समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भूमि विवाद और शासकीय सेवाओं से जुड़े मामले उठे

जनदर्शन में ग्राम बिछली निवासी संतोष सिंह ने मिशन शक्ति महिला सशक्तिकरण हब के अंतर्गत चयनित जेंडर विशेषज्ञ एसटी पद पर नियुक्ति आदेश जारी करने की मांग की। वहीं, ग्राम बहरासी निवासी राजेन्द्र सिंह ने ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने तथा कोरिया निवासी मंगल प्रसाद ने सेवानिवृत्त पटवारी की पीएफ पासबुक के सत्यापन के लिए आवेदन दिया। इसके अलावा राजेश कुमार ने आर्थिक सहायता, राजू सिंह श्याम ने धान खरीदी केंद्र बदलने तथा अन्य आवेदकों ने भूमि विवाद, नामांतरण और सीमांकन से संबंधित समस्याओं के निराकरण की मांग रखी।

सड़क निर्माण, पंचायत कार्य और शासकीय भूमि के सीमांकन की मांग

ग्राम जुईली निवासी मोतीलाल ने सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति की मांग की। मानवती ने पंचायत सचिव के अतिरिक्त प्रभार में परिवर्तन तथा ग्राम साल्ही के सरपंच ने पंचायत कार्यों में बाधा उत्पन्न किए जाने की शिकायत पर कार्रवाई का आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम चनवारीडांड निवासी आनंद शर्मा ने शासकीय भूमि के खसरा नंबर 263, 261, 250 और 252 का सीमांकन कराने के साथ कथित अतिक्रमण एवं खरीदी-बिक्री की जांच कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की। वहीं, ग्राम केरबहरा निवासी संतोष ने ऋण स्वीकृति में आ रही समस्या और ग्राम बाही निवासी सामेल ने कुआं निर्माण की स्वीकृति के लिए आवेदन दिया।

बंद वाटर एटीएम मशीन की समस्या भी पहुंची जनदर्शन में

खोंगापानी निवासी मनीष सिंह ने कोरिया नीर आरओ वाटर एटीएम मशीन के लगातार बंद रहने और बार-बार मोटर खराब होने की समस्या उठाई। उन्होंने नई मोटर स्थापित कर पेयजल व्यवस्था सुचारू करने की मांग की। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने सभी आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जांच एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में संवेदनशीलता बरतने और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

शासकीय आईटीआई सरिया में जिला स्तरीय रोजगार मेला, आवेदकों का ई-रोजगार पोर्टल में पंजीकृत होना आवश्यक

- निजी क्षेत्र के 266 पदों पर भर्ती का अवसर, मेला स्थल पर भी होगी पंजीयन की सुविधा

सारंगढ़-बिलाईगढ। स्थानीय आवेदकों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 30 अक्टूबर, शुक्रवार को प्रात: 10.30 बजे से शासकीय आईटीआई सरिया में जिला स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र के विभिन्न नियोजकों द्वारा कुल 266 पदों पर भर्ती के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा।

रोजगार मेले में भाग लेने के लिए आवेदकों का ई-रोजगार पोर्टल में पंजीकृत होना आवश्यक है। मेला स्थल पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। योग्यताधारी आवेदक अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं आवश्यक जानकारी के साथ उपस्थित होकर मेले में भाग ले सकते हैं। रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी ई-रोजगार पोर्टल तथा संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेसर्स श्रमिन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा द्वारा टेक्नीशियन के 59 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं अथवा आईटीआई निर्धारित है। इन पदों के लिए पुरुष आवेदक पात्र होंगे। कार्यक्षेत्र सारंगढ़ रहेगा तथा वेतन 15 हजार 100 रुपये निर्धारित है। मेसर्स स्वतंत्र माइक्रो फिन प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर द्वारा फील्ड ऑफिसर के 30 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 10 वीं अथवा 12वीं उत्तीर्ण आवेदक पात्र होंगे। इन पदों के लिए सभी आवेदक भाग ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र सरिया, बसना एवं सारंगढ़ रहेगा तथा वेतन 12 हजार 200 रुपये निर्धारित है। इसी प्रकार मेसर्स टीपीएल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा टेक्नीशियन के 5, फिटर के 50, ग्राइंडर ऑपरेटर के 20, लेथ मशीन ऑपरेटर के 5, वेल्डर के 17, टर्नर के 5, क्रेन ऑपरेटर के 10, मशीन ऑपरेटर के 15 और हेल्पर के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। टेक्नीशियन, फिटर, ग्राइंडर ऑपरेटर, लेथ मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, टर्नर एवं क्रेन ऑपरेटर के लिए आईटीआई, मशीन ऑपरेटर के लिए डिप्लोमा अथवा आईटीआई और हेल्पर के लिए 12वीं उत्तीर्ण योग्यता निर्धारित है। टीपीएल सर्विस के इन पदों के लिए पुरुष आवेदक पात्र होंगे। सभी पदों के लिए दो वर्ष का कार्यानुभव तथा 14 हजार से 25 हजार रुपये तक वेतन निर्धारित है। चयनित आवेदकों का कार्यक्षेत्र जेएसपीएल रायगढ़ होगा।

बिना लिखित आदेश के जेसीबी से उखाड़े गए ट्यूलर खंभे

चिरमिरी। नगर निगम चिरमिरी में एक बार फिर कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। राजीव गांधी पार्क जाने वाले मार्ग पर सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से लगाए गए ट्यूलर खंभों में से दो खंभों को कथित तौर पर जेसीबी की मदद से जमीन से उखाड़ दिया गया। इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इन खंभों को हटाने का आदेश किसने दिया और किस आधार पर यह कदम उठाया गया।मिली जानकारी के अनुसार दोनों खंभों को हटाने के लिए किसी प्रकार का लिखित आदेश जारी नहीं किया गया था। वहीं इस संबंध में किसी शिकायत की जानकारी भी सामने नहीं आई है। इसके बावजूद खंभों को हटाने की कार्रवाई किए जाने से नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। इस मामले में नगर निगम के सहायक इंजीनियर विक्टर वर्मा की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि खंभों को हटाने की कार्रवाई किसके आदेश पर की गई इसकी जानकारी नगर निगम के कार्यपालन अभियंता को भी नहीं है। ऐसे में सवाल यह है कि बिना लिखित आदेश के सार्वजनिक स्थल पर लगाए गए खंभों को हटाने का निर्णय किस स्तर पर लिया गया।मामले को लेकर जब नगर निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार की घटना हुई है तो इसकी जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल इस मामले में जांच और संभावित विभागीय कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। अब देखना होगा कि नगर निगम प्रशासन इस मामले की जांच कब पूरी करता है और जिम्मेदारी तय होने के बाद संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक आज

कांकेर। जिला पंचायत कांकेर की सामान्य सभा की बैठक अब 30 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह बैठक 28 अक्टूबर को आयोजित होनी थी, जिसे संशोधित कर अब 30 अक्टूबर निर्धारित किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी की अध्यक्षता में बैठक पूर्वान्ह 11 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में निर्धारित एजेंडानुसार विभिन्न विषयों पर चर्चा तथा संबंधित विषयों की समीक्षा की जाएगी।

वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत बलौदाबाजार में कांग्रेस की विशाल सभा एवं पत्रकार वार्ता आयोजित

बलौदाबाजार। ऑब्जर्वर शरद अहेर ने पत्रकारवार्ता में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर उठाए गंभीर सवाल, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। 1 नवंबर को नई दिल्ली में प्रस्तावित विशाल आंदोलन में बलौदाबाजार जिले से अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर देशभर में चलाए जा रहे 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के अंतर्गत आज जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित विप्र वाटिका में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की विशाल सभा एवं पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में एआईसीसी ऑब्जर्वर शरद अहेर छत्तीसगढ़ प्रदेशकांग्रेस के सहप्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव विजय जांगिड़, पूर्व मंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी मोहम्मद अकबर सहित विधायक, संदीप साहू, विधायक इंद्र साव, जिलाध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करने से पूर्व वरिष्ठ नेताओं ने संयुक्त पत्रकार वार्ता आयोजित कर केंद्र सरकार एवं भारत निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस ऑब्जर्वर शरद अहेर ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान निर्वाचन आयोग अपनी संवैधानिक निष्पक्षता खोता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराना है, उसकी कार्यप्रणाली पर आज गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

भाजयुमो चिरमिरी मंडल अध्यक्ष बने हमाम मिश्रा

चिरमिरी। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जिला एमसीबी में संगठनात्मक नियुक्ति की गई है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा ने 27 अक्टूबर 2026 को जारी नियुक्ति आदेश के तहत हमाम मिश्रा को चिरमिरी मंडल का युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है।यह नियुक्ति भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश महामंत्री (संगठन) कर्मवीर सिंह, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया एवं भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पादेवी पावले के निर्देशानुसार की गई है। युवा मोर्चा जिला प्रभारी आशीष सिंह के मार्गदर्शन तथा भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा और चिरमिरी मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर की सहमति से नियुक्ति की घोषणा की गई।हमाम मिश्रा की नियुक्ति से चिरमिरी मंडल में युवा मोर्चा के संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब उनके पास होगी। नियुक्ति आदेश 27 अक्टूबर 2026 को जारी किया गया है।

राज्योत्सव 2026 : प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में मुख्य अतिथि निर्धारित, राज्य शासन ने जारी किया आदेश

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्योत्सव 2026 का आयोजन प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में 2 नवंबर को किया जाएगा। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले एक दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रमों के लिए मुख्य अतिथियों का निर्धारण कर दिया है। इस संबंध में 27 अक्टूबर को आदेश जारी किया गया है। विभिन्न जिलों में राज्य शासन के मंत्री, सांसद और विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। किस जिले में कौन होगा मुख्य अतिथिकेंद्रीय मंत्री / उप मुख्यमंत्री / मंत्रीगण -जांजगीर-चांपा - संघ राज्य मंत्री तोखन साहू ज बिलासपुर - उप मुख्यमंत्री अरुण साव ज दुर्ग - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ज सरगुजा - मंत्री रामविचार नेताम ज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई - मंत्री दयालदास बघेल कांकेर - मंत्री केदार कश्यप कोरबा - मंत्री लखन लाल देवांगन जशपुर - मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ज रायगढ़ - वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सूरजपुर - मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े गरियाबंद - मंत्री टंकराम वर्मा राजनांदगांव - मंत्री गजेन्द्र यादव बीजापुर - मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

सांसदगण - बलौदाबाजार-भाटापारा - सांसद बृजमोहन अग्रवाल बेमेतरा - सांसद विजय बघेल कबीरधाम - सांसद संतोष पाण्डेय बलरामपुर-रामानुजगंज - सांसद चिंतामणि महाराज ज महासमुंद - सांसद रूपकुमारी चौधरी सारंगढ़-बिलाईगढ़ - सांसद राधेश्याम राठिया सक्ती - सांसद कमलेश जांगड़े दन्तेवाड़ा - सांसद महेश कश्यप बालोद - सांसद भोजराज नाग सुकमा - सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी - सांसद लक्ष्मी वर्मा।

डोमनहिल स्कूल में मतदाता साक्षरता क्लब की गतिविधियां आयोजित, प्रश्नोत्तरी में टीम बी ने मारी बाजी

चिरमिरी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोमनहिल में प्राचार्य रजनी सालोमन के मार्गदर्शन में मतदाता साक्षरता क्लब 'फ्यूचर वोटर्स' के अंतर्गत निर्वाचन प्रक्रिया पर प्रश्नोत्तरी एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को चुनावी प्रक्रिया, मतदाता जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में चुनाव मास्टर ट्रेनर एवं वरिष्ठ व्याख्याता मिन्हाजुल हक अंसारी उपस्थित रहे।क्लब के नोडल अधिकारी के. प्रफुल्ल रेड्डी के नेतृत्व में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में ईवीएम, वीवीपैट, भारत निर्वाचन आयोग, राष्ट्रीय मतदाता दिवस, मतदाता सूची और निर्वाचन अधिकारियों की भूमिका से संबंधित कुल 30 प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में टीम ए और टीम बी ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच टीम बी ने दो अंक हासिल कर जीत दर्ज की। प्रश्न तैयार करने में के. प्रफुल्ल रेड्डी एवं सहायक नोडल अधिकारी विवेक कुमार वर्मा की भूमिका रही। वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने चुनाव में धन की सकारात्मक भूमिका, चुनावी पारदर्शिता और धनबल के दुरुपयोग से लोकतंत्र पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। तर्कों की गुणवत्ता एवं तथ्यों की प्रस्तुति के आधार पर टीम बी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।दोनों प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में विद्यालय के व्याख्याता, शिक्षक एवं बीएड प्रशिक्षार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति कौशल, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।विद्यालय में आयोजित इस पहल ने विद्यार्थियों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन के महत्व से परिचित कराने के साथ ही भविष्य में जागरूक मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया।

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में मिलेगा स्वरोजगार को बढ़ावा

- मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत बैंक ऋण पर मिलेगा 35 प्रतिशत अनुदान

कांकेर। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों की स्थापना एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैंक के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को परियोजना राशि पर 35 प्रतिशत अनुदान का लाभ दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के सभी 33 जिलों में योजना का लाभ दिया जा सकता है। इच्छुक आवेदक अपना आवेदन सहायक संचालक, छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला पंचायत कार्यालय कांकेर में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। सहायक संचालक ग्रामोद्योग ने बताया कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र आवेदकों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना के अंतर्गत सेवा क्षेत्र में साइकिल रिपेयरिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग, ब्यूटी पार्लर, फोटोकॉपी सेंटर, वीडियोग्राफी, मंडप डेकोरेशन, कंप्यूटर सेंटर एवं होटल जैसे व्यवसायों के लिए एक लाख रुपये तक तथा विनिर्माण क्षेत्र में फैब्रिकेशन, मिठाई निर्माण, बेकरी, दोना-पत्तल निर्माण, मोमबत्ती निर्माण, अगरबत्ती निर्माण, पशु चारा निर्माण, सिलाई कार्य, मसाला निर्माण एवं दलिया निर्माण जैसे कुटीर उद्योगों के लिए तीन लाख रुपये तक की प्रोजेक्ट राशि पर शासन द्वारा 35 प्रतिशत अनुदान का लाभ दिया जाता है।

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदन के साथ पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र एवं अंकसूची, ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंक पासबुक और पेन कार्ड इत्यादि की छायाप्रति सहित आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे।

के.बी. पटेल कॉलेज की अनूठी पहल

जरूरतमंद परिवारों के साथ दीपावली की खुशियां करेगा साझा

- माताजी की पुण्य स्मृति में दीपावली उपहार वितरण, हर घर में खुशियों का दीप जलाने का संकल्प

एमसीबी। के.बी. पटेल कॉलेज के संस्थापक चंद्रकांत पटेल द्वारा अपनी माताजी की पुण्य स्मृति में सेवा और खुशियों का दीपावली उपहार अभियान चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत के.बी. पटेल कॉलेज द्वारा इस वर्ष भी अपनी जन्मभूमि के क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों के बीच दीपावली के उपहार वितरित किए जा रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य दीपावली के पावन पर्व पर जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशियां लाना और उनके साथ त्योहार की प्रसन्नता साझा करना है।

यह पहल सामाजिक सरोकार, सेवा भावना और मानवीय संवेदनाओं का संदेश देती है। चंद्रकांत पटेल की माताजी की पुण्य स्मृति को समर्पित इस सेवा कार्य के माध्यम से यह कामना की गई है कि उनके आशीर्वाद से हर घर में खुशियों का दीप जले और प्रत्येक जीवन सुख, समृद्धि एवं प्रकाश से आलोकित हो। यह पहल दीपावली के अवसर पर सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने वाला प्रेरणादायी संदेश है।

छात्रावासों और आश्रमों की व्यवस्थाओं को लेकर सीईओ जिला पंचायत ने दिए निर्देश

कांकेर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मण्डावी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले के आवासीय विद्यालयों, छात्रावासों एवं आश्रमों के संचालन और व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उनके द्वारा बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, खान-पान और मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सीईओ जिला पंचायत ने आश्रमों - छात्रावासों के निरीक्षण के लिए नियुक्त अधिकारियों को नियमित रूप से संस्थाओं का निरीक्षण करने तथा आवासीय विद्यालयों, छात्रावासों एवं आश्रमों में बच्चों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी आवासीय विद्यालयों, छात्रावासों एवं आश्रमों में शिकायत पेटी अनिवार्य रूप से रखने के लिए निर्देशित किया, ताकि विद्यार्थी अपनी समस्याओं और शिकायतों को सामने रख सकें। छात्राओं की सुरक्षा और उनकी समस्याओं को समझने के लिए महिला निरीक्षणकर्ता अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय-समय पर छात्राओं से एकांत में संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

ताकि वे बिना किसी संकोच के अपनी बात रख सकें।

जिले में अधिकारी-कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

कांकेर। चक्रवाती तूफान के प्रभाव से 27 से 29 अक्टूबर तक जिले में भारी से अति भारी वर्षा और तेज हवाएं चलने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश पर आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम संभावित आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य और आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। जारी आदेशानुसार सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपने निर्धारित मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना होगा।

संक्षिप्त समाचार

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 30 अक्टूबर को

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक 30 अक्टूबर, शुक्रवार को सवेरे 10 बजे से कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पूर्ण एवं हस्तांतरित 'हर घर जल' योजनाओं के भुगतान तथा चलित देयकों के भुगतान की स्वीकृति संबंधी प्रकरण रखे जाएंगे। इसके साथ ही अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने समिति के सभी सदस्य अधिकारियों से निर्धारित समय एवं स्थान पर बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

सहकारी समितियों के परिसमापन हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित किया

बिलासपुर। कार्यालय उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं बिलासपुर द्वारा जिले की सहकारी समितियों के परिसमापन हेतु 60 दिवस के भीतर समिति के दावेदार एवं लेनदारों से दावा आपत्ति मंगाये गये है। समितियों के लिए नियुक्त परिसमापकों ने बताया कि बिलासपुर के जय हनुमान प्राथमिक सह. उप. भण्डार मर्या. लोकोकालोनी, कृषि एवं पशुपालन बहु. सहकारी समिति मर्या., ज्योति प्राथमिक सह. उप. भण्डार मर्या. कुदुदण्ड, आदर्श प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. इमलीपारा, जय भवानी प्राथमिक उपभोक्ता भंडार सहकारी समिति मर्या. रामदासनगर, आदर्श प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. लाला लाजपतराय नगर, विकास प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. नेहरू नगर एवं एसईसीएल प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. इंदिरा के परिसमाापन की कार्यवाही की जा रही है। इन समितियों के दावेदार एवं लेनदार अपने दावेमय लिखित प्रमाण 60 दिन के भीतर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें। इस अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे मान्य नही होंगे। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संस्थाओं का रिकार्ड या संपत्ति आदि हो तो तत्काल परिसमापक सौंपने की अपील की गई है अन्यथा दण्डात्मक कार्यवाही के भागीदार होंगे।

शासकीय राशन दुकान संचालन के लिए आवेदन 4 नवम्बर तक

बिलासपुर। जिले के कोटा विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान जोगीपुर, मिट्ठू नवागांव, करबा, पुडु, पोंड़ी (402003032), मोहली, लूफ़, उपका, शक्तीबहरा, कुरबार, नगोई, करी, नवागांव (स), लमकेना, तुलुफ़ पोंड़ी (402003105) के आबंटन के लिए 4 नवम्बर 2026 तक बंद लिफाफे में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। ग्राम पंचायत एवं स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वृहदाकार आदिम जाति बहुदेशीय सहकारी समिति (लेम्पस) एवं वन सुरक्षा समितियों के आवेदन ही स्वीकार किये जाएंगे। सहकारी समितियों एवं महिला स्व सहायता समूहों को दुकान आबंटन हेतु आवेदन करने की तारीख से कम से कम 3 माह पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य है। आवेदन करने वाली सहकारी समिति एवं महिला स्व सहायता समूह वर्तमान में कार्यरत हो तथा उसे सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव हो। आवेदन केवल निर्धारित प्रारूप में सील बंद लिफाफे में ही स्वीकार किया जाएगा। बंद लिफाफे के ऊपर जिस दुकान के लिए आवेदन कर रहें है उसका नाम व आई.डी. अनिवार्य रूप से लिखा होना चाहिए। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 नवम्बर 2026 को दोपहर 3 बजे तक है। नियत तिथि एवं समय के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।आवेदन करने के लिए समिति एवं संस्थान के पंजीयन की सत्यापित छायाप्रति, समिति, संस्था, पंचायत के सभी सदस्यों के नाम, पते व आधार की सत्यापित छायाप्रति की जानकारी, आवेदक समिति, समूह, पंचायत का बचत बैंक खाता की प्रमाणित छायाप्रति एवं अंतिम 3 माह का स्टेटमेंट, समिति एवं संस्था का शपथ पत्र आदि होना आवश्यक है।

25 हजार रुपये रिश्वत लेने के मामले में पटवारी निलंबित, कलेक्टर की कार्रवाई

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने शासकीय राजस्व कार्य के लिए 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगने एवं लेने के मामले में पटवारी श्री ऋषिपुरी गोस्वामी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोशल मीडिया एवं समाचार पोर्टलों पर प्रसारित वीडियो के संबंध में तहसीलदार पचपेड़ी द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है। श्री गोस्वामी पूर्व में पटवारी हल्का नंबर 14 में पदस्थ थे तथा वर्तमान में तहसील पचपेड़ी के पटवारी हल्का नंबर 05 में कार्यरत हैं। तहसीलदार पचपेड़ी ने 28 अक्टूबर 2026 को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था। आदेश में पटवारी के कृत्य को सिविल सेवा आचरण नियमों के विपरीत एवं गंभीर कदाचरण की श्रेणी में मानते हुए शासन की छवि धूमिल करने वाला बताया गया है। निलंबन अवधि में श्री गोस्वामी का मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोटा कार्यालय निर्धारित किया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी 324 स्टेशनों एवं प्रमुख परिसरों में पेयजल स्रोतों की सघन जांच और निगरानी

रेलवे में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने विशेष पेयजल परीक्षण अभियान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यापक जांच एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. काशीपति के नेतृत्व में संचालित इस विशेष अभियान के अंतर्गत रेलवे के सभी स्टेशनों एवं प्रमुख परिसरों में पेयजल की गुणवत्ता, उपलब्धता, स्वच्छता और रखरखाव व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के स्टेशनों में पेयजल की गुणवत्ता की व्यापक जांच की जा रही है। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा मौके पर ही पेयजल में अवशिष्ट क्लोरीन एवं कुल घुलित ठोस पदार्थों की जांच की जा रही है। साथ ही, जीवाणु एवं रासायनिक परीक्षण के लिए पेयजल के नमूने भी संकलित किए जा रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा अन्य संबंधित विभागों के निरीक्षकों के समन्वय से निर्धारित स्थलों का निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान पेयजल की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित

की जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी 324 स्टेशनों के साथ रेलवे कॉलोनियों, अस्पतालों, कार्यालयों एवं अन्य प्रमुख परिसरों में उपलब्ध पेयजल स्रोतों को इस अभियान में शामिल किया गया है। अक्टूबर माह में इन सभी स्थानों से कुल 5289 जल नमूने परीक्षण हेतु एकत्रित किए गए हैं। इसके अंतर्गत नल, वाटर कूलर, वाटर बूथ, वाटर फिल्टर सहित विभिन्न पेयजल सुविधाओं का निरीक्षण एवं नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि यात्रियों, रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। पेयजल के नमूनों की जांच के दौरान जहां भी निर्धारित मानकों के अनुरूप सुधार की आवश्यकता पाई जाती है, वहां संबंधित पेयजल स्रोतों में आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। इसके पश्चात पुन: नमूने लेकर जांच की जाती है, ताकि पेयजल में अवशिष्ट क्लोरीन की निर्धारित मात्रा बनाए रखने सहित गुणवत्ता संबंधी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के दौरान सभी पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई, स्वच्छता एवं रखरखाव व्यवस्था का भी बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक सावधानियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा संचालित यह विशेष पेयजल परीक्षण अभियान यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा रेलवे परिसरों में बेहतर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। रेलवे प्रशासन द्वारा सभी निर्धारित स्थलों पर पेयजल की गुणवत्ता की सघन निगरानी करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों, रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल तथा स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

पटाखा दुकानों में सुरक्षा से समझौता नहीं शर्तों के उल्लंघन पर निरस्त होगा लाइसेंस

- जिला अग्निशमन अधिकारी ने जारी किए दिशा-निर्देश
- नियमित निरीक्षण कर परखी जाएंगी सुरक्षा व्यवस्थाएं

बिलासपुर। दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखा दुकानों में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा के लिए कमांडेंट होम गार्ड्स एवं जिला अग्निशमन अधिकारी श्री दीपांकुर नाथ ने सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिले के सभी पटाखा दुकान संचालकों को इनका अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। श्री नाथ ने कहा कि दुकानों का नियमित निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी। निर्धारित शर्तों का पालन नहीं करने पर संबंधित दुकान का लाइसेंस निरस्त कर कार्रवाई की जाएगी। जारी निर्देशों के अनुसार पटाखा दुकानें रिहायशी क्षेत्रों अथवा बाजार के पास नहीं खोली जाएंगी। दुकानों का निर्माण कपड़ा, बांस, रस्सी और टेंट जैसी ज्वलनशील सामग्री से करने के बजाय अज्वलनशील टिन शेड से किया जाए तथा अग्निमंदक घोल से उपचारित किया जाए। दुकानों के बीच कम से कम तीन मीटर की

दूरी रखी जाए और दुकानें एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं बनाई जाएं। किसी भी पटाखा दुकान के 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्येक दुकान में पांच किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र रखना अनिवार्य है। इसके साथ ही दुकान के अंदर और बाहर अलग-अलग 100-100 लीटर पानी उपलब्ध रखा जाए। अग्निशमन वाहन की आवाजाही के लिए कम से कम छह मीटर चौड़ा रास्ता खुला रखा जाए। दुकानों के सामने बाइक और कार की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी, ताकि आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य में बाधा न आए। दुकानों में रोशनी के लिए तेल अथवा गैस के लैम्प और खुली बिजली बत्ती का उपयोग नहीं किया जाए। विद्युत तारों के जोड़ खुले नहीं होने चाहिए।

1 लाख 34 किसानों को मिलेगी पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त

बिलासपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिले के एक लाख 34 किसानों के बैंक खातों में 22 करोड़ 10 लाख रुपये से अधिक की राशि सीधे अंतरित की जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को सुबह 10 बजे गुजरात के बनासकांठा में आयोजित वृहद किसान सम्मेलन से योजना की 24वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर पर जिले में भी 'पीएम किसान उत्सव दिवस' मनाया जाएगा। उप संचालक कृषि श्री एम.आर. तिग्गा ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सरकंडा, बिलासपुर में आयोजित होगा। यहां किसानों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ

ही विकासखंड कार्यालयों, पंचायत मुख्यालयों, प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों और मंडियों में भी किसानों की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्री तिग्गा ने बताया कि योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की सहायता राशि दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तों में दी जाती है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का भूमि संबंधी विवरण अग्रिष्टेक पोर्टल में पंजीयन होना, बैंक खाते से आधार लिंक होना तथा ई-केवाईसी पूर्ण होना अनिवार्य है। किसान पीएम किसान पोर्टल पर उपलब्ध 'नो योर स्टेटस' सुविधा से अपनी किस्त की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम में शामिल होने और योजना संबंधी जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।

एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा में मानव श्रृंखला से गूँजा सत्यनिष्ठा से समृद्धि का संदेश दिया

- एसईसीएल गेवरा क्षेत्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत संकल्प दिवस का आयोजन; सीएमडी श्री हरीश दुहन ने दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ

बिलासपुर। एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा के व्यू प्वाइंट पर मानव श्रृंखला बनाकर एसईसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सतर्कता, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत गेवरा क्षेत्र में आयोजित संकल्प दिवस का यह विशेष आकर्षण रहा,

जिसके माध्यम से प्रतिभागियों ने सत्यनिष्ठा से समृद्धि का संदेश दिया। केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के क्रम में आयोजित संकल्प दिवस कार्यक्रम में साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, गेवरा क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सीएमडी श्री हरीश दुहन ने सभी उपस्थितों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। अपने सम्बोधन में उन्होने कहा कि, इस वर्ष की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए एसईसीएल में विभिन्न जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि तकनीक के माध्यम से हम अपनी कार्यप्रणाली में और अधिक पारदर्शिता एवं दक्षता लाएँ। कार्यक्रम के अंतर्गत एक पेड़ सतर्कता के नाम पहल के तहत पौधारोपण किया गया। एसईसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ, जनजागरूकता अभियान एवं अन्य गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इन पहलों का उद्देश्य कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आमजन की सहभागिता से पारदर्शी कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करना तथा भ्रष्टाचारमुक्त समाज के निर्माण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

सत्यनिष्ठा से समृद्धि' के संदेश के साथ निकाली गई प्रभात फेरी

- बिलासपुर स्टेशन पर नुक्कड़-नाटक के माध्यम से ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के प्रति किया जागरूक

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सत्यनिष्ठा से समृद्धि थीम पर आज प्रभात फेरी एवं नुक्कड़-नाटक का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य आमजनों को ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के प्रति जागरूक करने के साथ भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा। प्रात: महाप्रबंधक कार्यालय परिसर से निकाली गई प्रभात फेरी तितली चौक होते हुए बिलासपुर रेलवे स्टेशन पहुँची। इस दौरान पोस्टर एवं ईमानदारी अपनाएँ, भ्रष्टाचार मिटाएँ जैसे नारों के माध्यम से राहगीरों एवं आम नागरिकों को सत्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया गया। प्रभात फेरी में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे. एस. मीना, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री विकास सोनी, मंडल कार्मिक अधिकारी श्री एस.एस.राव सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारी-कर्मचारी, नागरिक सुरक्षा दल, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस तथा रेलवे स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर स्काउट्स-गाइड्स के बच्चों एवं सांस्कृतिक टीम द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। नुक्कड़ नाटक की जीवंत प्रस्तुति से अपने कर्तव्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने, कार्यों को पारदर्शिता के साथ संपन्न करने तथा अधिकारों एवं दायित्वों का सत्यनिष्ठा के साथ पालन करने का संदेश दिया गया। प्रस्तुति के माध्यम से यात्रियों एवं आम नागरिकों को नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे. एस. मीना ने कहा कि सतर्कता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक रेलकर्मी को अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्ठा एवं पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। साथ ही उन्होने सभी से आत्मानुशासन, नैतिक आचरण एवं सत्यनिष्ठा अपनाने तथा पारदर्शिता की संस्कृति को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

रेल संरक्षा के 04 सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश द्वारा किया गया सम्मानित.....

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 27 अक्टूबर, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 04 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । इस अवसर पर सम्मानित किए गए कर्मचारियों के सराहनीय कार्य इस प्रकार हैं:- स्टेशन मास्टर के पद पर सिलयारी स्टेशन में पदस्थ कर्मचारी श्री आनंद प्रकाश उपाध्याय ने ड्यूटी के दौरान आत्महत्या के इरादे से ट्रैक पर कूदी एक महिला का क़ीमती जीवन बचाया । अत: ट्रेन का सुरक्षित परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। लोको पायलट (पैसेंजर) के पद पर दुर्ग में पदस्थ कर्मचारी श्री महेन्द्र कुमार साहू ने ड्यूटी के दौरान सिकोसा और गुंडरदेही के बीच भारी वर्षा के कारण रेलवे ट्रैक में आई अनियमितता दिखाई देने पर तत्काल गाड़ी पर नियंत्रण पाया और तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। इस प्रकार सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । लोको पायलट (गुड्स) के पद पर कोरबा में पदस्थ कर्मचारी श्री हरेन्द्र कुमार ने ड्यूटि के दौरान नैला स्टेशन से लांग हॉल अप ट्रेन का परिचालन कर रहे थे इस दौरान विपरीत

दिशा से आ रही एक अन्य मालगाड़ी के वैगन में हॉट एक्सल देख कर तत्काल सर्वसंबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से ट्रेन का संरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया । वरिष्ठ माल गाड़ी प्रबंधक के पद पर डोंगरगढ़ स्टेशन में पदस्थ श्री मयंक भेलोटकर ने ड्यूटि के दौरान गुदमा स्टेशन से गुजरती माल गाड़ी के एक वैगन में हॉट एक्सल की पहचान कर कर तत्काल सर्वसंबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से ट्रेन का संरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया । इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि रेल परिचालन में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और कर्मचारियों की ऐसी सजगता एवं कर्तव्यनिष्ठा अन्य रेलकर्मियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने सभी को भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ कार्य करने की शुभकामनाएं दीं। संरक्षा कोटि के इन कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, विभागाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे ।

सर्दियों में आपकी सेहत

इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। यह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रातः एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।
- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रातः व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेबफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय

सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौड़ना, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ

स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफोंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन

सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्तव पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन

- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएगी।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।

सितंबर माह या उसके पूर्व सेवानिवृत्त हुए 26 कार्मिकों का किया सम्मान, सदस्यों ने सोसायटी की कार्यप्रणाली और सहकारिता भावना को सराहा

सेक्टर-6 सोसाइटी का कामकाज सबसे बेहतर, कहा रिटायर सदस्यों ने

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की सबसे पहली और प्रतिष्ठित सहकारी संस्था 'इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड (सेक्टर-6)' द्वारा अपने सेवानिवृत्त सदस्यों के सम्मान में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया।इस विशेष कार्यक्रम में सितंबर माह या उसके पूर्व संयंत्र की सेवा से निवृत्त होने वाले 26 सदस्यों को ससम्मान विदाई दी गई। समारोह की अध्यक्षता कर रहे सोसायटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सभी सेवानिवृत्त सदस्यों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और उनकी स्व-निधियों के खाते देय चेक सौंपे। इस दौरान अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने कहा कि हमारे रिटायर और सेवारत सदस्यों की संतुष्टि ही हमारी सेवाओं का असली प्रमाण है, और रिटायर सदस्य हमेशा खुद को सोसायटी का हिस्सा समझें। समारोह के दौरान वर्षों की सेवा के बाद विदा ले रहे कर्मचारी अपनी पुरानी यादों और सोसायटी से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए भावुक हो उठे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों ने सोसायटी के प्रति अपना सकारात्मक दृष्टिकोण और गहरा विश्वास व्यक्त किया जॉर्ज विलियम ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि, ÷सेक्टर-6 सोसाइटी से बेहतर कोई दूसरी सोसाइटी नहीं है। यहां ऋण लेने के लिए कभी भी अतिरिक्त खर्च या भागदौड़ नहीं करनी पड़ती।÷ वहीं के के दीक्षित ने कहा कि, ÷सोसाइटी का परफॉर्मेंस हमेशा से बहुत अच्छा रहा है। आमसभा हो, लाभांश वितरण हो या सोसाइटी से संबंधित कोई भी कार्य हो, सूचनाएं हमेशा समय पर मिलती हैं।÷ इसके अलावा रामखिलावन जोशी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि, ÷पहले वेतन कम होने के कारण लोगों को ऋण की बहुत आवश्यकता पड़ती थी। ऐसे में सीपीएफ लोन के बाद केवल यही सोसाइटी एकमात्र सहारा बचती थी, जो हर सुख-दुख में हमेशा काम आई। आर. श्रीनिवास ने कहा कि, ÷इस सहकारी संस्था ने हमेशा कर्मचारियों के वित्तीय संकट के समय एक मजबूत ढाल का काम किया है और यहां मिलने वाली पारदर्शिता अनुकरणीय है।÷ अशोक कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि, ÷सेवानिवृत्ति के इस पड़ाव पर सोसायटी द्वारा दिया गया यह सम्मान हमारे वर्षों के समर्पण का सबसे बड़ा पुरस्कार है।÷ इसके साथ ही पूरन लाल साहू ने जोड़ा कि, ÷इस्पात कर्मचारी कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड, सेक्टर-6, भिलाई, हम सभी के लिए एक परिवार की तरह रही है, जिसकी प्रतिष्ठा और आर्थिक मजबूती बनाए रखना हम सबका दायित्व है।÷ इन सभी वक्ताओं ने समवेत स्वर में माना कि यह संस्था भिलाई के इस्पात कर्मियों के लिए वित्तीय जीवन रेखा के समान है। भिलाई इस्पात संयंत्र से सितंबर माह में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों में ओमप्रकाश श्रीवास्तव, रंजीत सिंह पाटिल, रामखिलावन जोशी, आर. श्रीनिवास, अशोक कुमार गुप्ता, अरुण कुमार चौधरी, पंकज कुमार मल्लिक, बी. साई गीता, ए. विजयलक्ष्मी, गौकरण, एम. राजन, सुकांत नायक, माखनलाल नरूटी, ओंकार सिंह जामदार, चमन लाल खेड़े, जार्ज विलियम, विजय कुमार, राहूल सोनकामने, भलेन्द्र कुमार, अरविंद कुमार बंछोर, अच्छे लाल, जयंत कुमार पाल, साजिद हुसैन खान, अरुण कुमार चौधरी शैलेष कुमार दीक्षित एवं दीपक कुमार मिश्रा शामिल रहे। इस अवसर पर सोसायटी के संचालक मंडल के सदस्य, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

कैशलेस चिकित्सा सुविधा की बहुप्रतीक्षित मांग हुई पूरी, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने शासन का जताया आभार

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों की कैशलेस चिकित्सा सुविधा की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी किए जाने पर आभार जताया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने कहा है कि इससे सभी शासकीय कर्मियों को एक बड़ी राहत मिली है। उन्होंने इस बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति विशेष आभार प्रकट किया है। इसके साथ ही, उन्होंने प्रदेश के सभी कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों और विधायकों का भी धन्यवाद किया है, जिनके सहयोग और सकारात्मक रुख से यह सौगात संभव हो सकी है।

संघ ने इसे तमाम कर्मचारी संगठनों के लंबे संघर्ष और निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया है। प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि कई बार गंभीर एवं जटिल बीमारियों या दुर्घटनाओं के समय आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कर्मचारी समय पर अपना और अपने परिजनों का बेहतर इलाज नहीं करा पाते थे। ऐसे समय में यह योजना एक जीवन रक्षक कवच साबित होगी। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ इस बहुप्रतीक्षित मांग को पिछले कई वर्षों से लगातार उठा रहा था। कर्मचारी जगत का मानना है कि यह निर्णय न केवल कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें आर्थिक चिंताओं से मुक्त कर बेहतर सेवाएँ देने के लिए भी प्रेरित करेगा।

बाढ़ पीड़ितों को बांटने के बजाय निगम कार्यालय में खाद्य सामग्री सड़ाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण,महापौर जनता को दें जवाबः राजेश चौधरी

राहत सामग्री बांटने में लापरवाही या प्रशासनिक विफलता? स्थिति स्पष्ट करें महापौर व निगम प्रशासन

जगदलपुर। नगर पालिक निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने बाढ़ पीड़ितों के लिए प्राप्त खाद्य सामग्री का समय पर वितरण नहीं होने और निगम कार्यालय में रखे-रखे उसके खराब होने के मामले को गंभीर बताते हुए महापौर से जवाब मांगा है। उन्होंने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि जिस खाद्य सामग्री का उपयोग बाढ़ से प्रभावित जरूरतमंद परिवारों की भूख मिटाने और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए किया जाना था, यदि वही सामग्री समय पर वितरित नहीं होने के कारण खराब हो रही है, तो यह नगर निगम की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करता है।राजेश चौधरी ने कहा कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा के दौरान जगदलपुर और आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में अनेक परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कई परिवारों के सामने भोजन की व्यवस्था करना तक चुनौती बन गया था। ऐसे संकट के समय जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है।

बाढ़ पीड़ितों की सहायता के उद्देश्य से प्राप्त खाद्य सामग्री को समय पर प्रभावित परिवारों तक पहुंचाना आवश्यक था, ताकि संकट की घड़ी में उन्हें राहत मिल सके। लेकिन यदि यह सामग्री जरूरतमंदों तक पहुंचने के बजाय निगम कार्यालय में पड़ी-पड़ी खराब हो रही है, तो इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्या हो सकती है?उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब बाढ़ पीड़ितों को भोजन और राहत सामग्री की सबसे अधिक आवश्यकता थी, तब उनके लिए प्राप्त खाद्य सामग्री का वितरण क्यों नहीं किया गया? क्या नगर निगम प्रशासन के पास वितरण की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं थी? यदि सामग्री समय पर वितरित की जा सकती थी, तो इसमें देरी क्यों हुई? और यदि किसी प्रशासनिक लापरवाही के कारण खाद्य सामग्री खराब हुई है, तो इसकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? महापौर को इन सवालों का स्पष्ट जवाब देना चाहिए, क्योंकि यह मामला केवल खाद्य सामग्री का नहीं, बल्कि आपदा से प्रभावित गरीब और जरूरतमंद परिवारों के अधिकारों तथा जनता के विश्वास से जुड़ा हुआ है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राहत सामग्री का उद्देश्य केवल उसे एकत्रित करना या निगम कार्यालय में सुरक्षित रख देना नहीं होता, बल्कि वास्तविक जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचाना होता है। आपदा के दौरान प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण होता है। जिस परिवार के घर में भोजन की व्यवस्था नहीं है, उसके लिए राहत सामग्री का समय पर मिलना बेहद जरूरी है। ऐसे में खाद्य सामग्री का उचित उपयोग नहीं होना और उसके खराब होने की स्थिति सामने आना अत्यंत चिंताजनक है। यदि सामग्री उपलब्ध होने के बावजूद जरूरतमंद परिवारों को उसका लाभ नहीं मिला, तो यह व्यवस्था की गंभीर विफलता मानी जाएगी।राजेश चौधरी ने महापौर से मांग की कि इस पूरे मामले में चुप्पी साधने के बजाय सामने आकर वस्तुस्थिति स्पष्ट करें। जनता को बताया जाए कि बाढ़ पीड़ितों के लिए कितनी मात्रा में खाद्य सामग्री प्राप्त हुई थी, यह सामग्री किस माध्यम से और किन उद्देश्यों के लिए आई थी, इसका वितरण किन वार्डों एवं प्रभावित क्षेत्रों में किया जाना था तथा अब तक कितनी सामग्री वितरित की गई है। साथ ही, यदि खाद्य सामग्री खराब हुई है, तो उसकी मात्रा, वर्तमान स्थिति और उसके खराब होने के कारणों की भी जानकारी सार्वजनिक की जाए। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और यदि जांच में वितरण संबंधी लापरवाही या किसी अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी सामने आती है, तो संबंधित लोगों की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना ने समय-सीमा की बैठक में की विकास कार्यों की समीक्षा

जगदलपुर, मौसम विभाग द्वारा 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, मूसलाधार बारिश और जलभराव की चेतावनी जारी करने के बाद जिला प्रशासन द्वारा सजगता बरतने सहित किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए समुचित तैयारी कर ली गई है। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार कलेक्टोरेट स्थित प्रेरणा कक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना ने निर्देशित किया कि पूर्व तैयारी आपदा के अनुमान से कहीं अधिक मजबूत होनी चाहिए, ताकि जनहानि न हो और जीरो कैजुअल्टी सुनिश्चित किया जा सके। बैठक के दौरान आपदा प्रबंधन के तहत विशेष रूप से अत्यधिक संवेदनशील इलाकों से नागरिकों को समय रहते राहत शिविरों में पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। स्वास्थ्य अमले को हाई अलर्ट पर रखते हुए सभी अस्पतालों में पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। किसी भी मानवीय संकट को टालने के लिए प्रसव की संभावित तारीख वाली गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को पहले से ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है। बुनियादी सेवाओं को सुचारु रखने के मकसद से बिजली और दूरसंचार विभागों को विशेष मुस्तैदी बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पेड़ या खंभे गिरने की स्थिति में नेटवर्क और बिजली आपूर्ति तत्काल बहाल की जा सके। मार्गों को निर्बाध रखने के लिए तकनीकी दल तैनात रहेंगे और राहत कार्यों को मजबूती देने के लिए राज्य में तैनात एसडीआरएफ के साथ-साथ एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीमें भी बुलाई गई है। इस गंभीर परिस्थिति को देखते हुए फील्ड अमले के सामान्य अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर उन्हें मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने कहा गया है। साथ ही किसानों की कटी फसलों को भीगने से बचाने, बागवानी फसलों की बुवाई में बदलाव और पशुधन संरक्षण के संबंध में जारी एडवाइजरी का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ द्वारा आपदा से जुड़े सुरक्षा उपायों के साथ ही विकास कार्यों और प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की भी गहन समीक्षा की गई। उन्होने आधारकार्ड और आयुष्मानकार्ड पंजीयन में तेजी लाने पर जोर देते हुए तोकापाल और बस्तानार जैसे विकासखंडों में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और तहसीलदारों के समन्वय से 0 से 5 वर्ष के बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र 15 नवंबर तक प्राथमिकता से पूर्ण कराने को कहा। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत लगभग नौ हजार आवासों के हितग्राहियों के जॉब कार्ड सत्यापन का काम त्वरित गति से पूरा करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का आवास निर्माण कार्य बाधित न हो। सीईओ जिला पंचायत ने जनसमस्याओं के निवारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता की वास्तविक संतुष्टि ही इसका पैमाना होगी।

विकास कार्यों की कड़ी में मनरेगा के निर्माण कार्यों को धरातल पर जल्द शुरू कराने और जमीनी अमले के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा की बात कही गई। इसके साथ ही आगामी बस्तर ओलंपिक में युवाओं व विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु पंजीयन बढ़ाने और राज्योत्सव की तैयारियों के लिए विभागीय स्टॉल लगाने पर भी चर्चा हुई।

जेआरडी स्कूल के पीछे मैदान में लगेंगी लगभग 49 पटाखा दुकानें, महापौर अलका बाघमार की उपस्थिति में संपन्न हुई प्रक्रिया

दीपावली पर अस्थायी पटाखा दुकानों का लॉटरी से हुआ आवंटन

दुर्ग। दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर में अस्थायी पटाखा दुकानों के संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर पालिक निगम द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत दुकानों का आवंटन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुसार यह प्रक्रिया संपन्न कराई गई।नगर निगम द्वारा इस वर्ष अस्थायी पटाखा दुकानों के संचालन के लिए वार्ड क्रमांक 39 स्थित जेआरडी स्कूल के पीछे मैदान को निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में आज महापौर श्रीमती अलका बाघमार के चेम्बर में लॉटरी के माध्यम से दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया संपन्न हुई। महापौर की उपस्थिति में एक-एक कर पर्चियां निकाली गईं और लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से दुकानदारों को दुकान आवंटित करने की कार्यवाही की गई। इस स्थल पर लगभग 49 अस्थायी पटाखा दुकानें लगाई जाएंगी।नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थल पर पटाखा दुकानों का संचालन कराए जाने का उद्देश्य दीपावली के दौरान बाजार व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखना तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप दुकानों का संचालन सुनिश्चित करना है।इस अवसर पर एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर सहित बाजार विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीएसपी के विद्यालयों की खेल प्रतिभाओं का सम्मान, खेल प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

भिलाई-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों के विजेता एवं पदक प्राप्त विद्यार्थियों के सम्मान में भिलाई निवास में खेल प्रतिभा सम्मान समारोह 2025-2026 का आयोजन कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगीत से हुआ। सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत किया। महाप्रबंधक (शिक्षा) सुश्री शिखा दुबे ने स्वागत भाषण में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन एवं सामुदायिक भावना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि श्री पवन कुमार ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धियों ने विद्यालयों, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम, अनुशासन और लगन के साथ उत्कृष्टता के नए शिखर प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने खेलों को टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं उत्तम स्वास्थ्य के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) श्री ए.बी. श्रीनिवास ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए खेल समन्वयकों, विद्यालय प्रमुखों एवं खेल शिक्षकों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सफलता उनके कठोर प्रशिक्षण, अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ-साथ शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है।पूर्व ओलंपिक खिलाड़ी एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित उप महाप्रबंधक (एस.सी. एवं सी.ए.) श्री राजेन्द्र प्रसाद ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन की चुनौतियों का सामना करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं। सत्र 2025-2026 के दौरान लगभग 150 विद्यार्थियों ने ब्लॉक, जिला, संभाग, प्रादेशिक, राष्ट्रीय शालेय एवं खुली राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अपने नाम किए।

सर्वर की तकनीकी दिक्कतों, वाहनों की IN-OUT प्रक्रिया में देरी और गेटों पर प्रवेश व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को विस्तार से बताया

भिलाई नगर। भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न गेटों पर ट्रकों की आवाजाही, डिस्पैच और परिवहन व्यवस्था में आ रही समस्याओं को लेकर भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं स्टील चैंबर भिलाई के प्रतिनिधिमंडल ने दुर्ग सांसद विजय बघेल से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान ट्रांसपोर्टरों ने ड्रक्स (व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम), सर्वर की तकनीकी दिक्कतों, वाहनों की ढुह-हज्ज प्रक्रिया में देरी और गेटों पर प्रवेश व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को विस्तार से बताया। प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए सांसद विजय बघेल ने तत्काल ड्रक्स के ष्टश्वह्र चित्तरंजन महापात्रा से चर्चा की। साथ ही ष्टढ्ढस्स्न ष्ठढ्ढत्न चंदन झा से भी फोन पर बातचीत कर संयंत्र के गेटों पर ट्रांसपोर्टरों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। सांसद ने समस्याओं का जल्द निराकरण कर वाहनों की आवाजाही सुचारु बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गेटों पर वाहनों की संख्या में कमी से परिवहन कार्य प्रभावित-भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने सांसद को सौंपे गए लिखित आवेदन में विभिन्न गेटों पर वाहनों के प्रवेश में कमी आने की जानकारी दी। एसोसिएशन के अनुसार, पहले की तुलना में अब कई गेटों पर प्रतिदिन कम गाड़ियां प्रवेश कर पा रही हैं, जिससे डिस्पैच और परिवहन कार्य प्रभावित हो रहा है।

एसोसिएशन द्वारा दिए गए आंकड़ों के मुताबिकः रोलिंग मिल गेटः पहले प्रतिदिन लगभग 120 से 130 गाड़ियां प्रवेश करती थीं, जबकि वर्तमान में 50 से 60 गाड़ियां ही प्रवेश कर पा रही हैं। डिस्पोजल गेटः पहले लगभग 60 से 65 गाड़ियों की आवाजाही होती थी, जो अब घटकर 25 से 30 रह गई है। बोरिया गेटः पहले लगभग 105 से 110 गाड़ियां प्रवेश करती थीं, जबकि वर्तमान में करीब 70 से 80 गाड़ियों को ही प्रवेश मिल पा रहा है। एसोसिएशन ने इन आंकड़ों के आधार पर गेटों की व्यवस्था में सुधार और वाहनों की आवाजाही बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

VTS और सर्वर की तकनीकी समस्याओं से हो रही देरी-प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि विभिन्न गेटों पर VTS और सर्वर के बार-बार प्रभावित होने से वाहनों की एंट्री और निकासी की प्रक्रिया में देरी होती है।

छठ पर्व के पूर्व भिलाई निगम क्षेत्र के तालाबों की सफाई तेज, जलकुंभी और विसर्जन सामग्री हटाने का कार्य जारी

भिलाईनगर। छठ पर्व के मद्देनजर नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर के विभिन्न जोनों में तालाबों की साफ-सफाई का कार्य तेज कर दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता और पर्व के दौरान बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तालाबों से जलकुंभी, शैवाल, विसर्जन सामग्री एवं अन्य कचरे को हटाया जा रहा है। जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 22 कुरुद बस्ती स्थित नकटा तालाब में जलकुंभी, कमल की डंडियों एवं शैवाल की कटिंग कर उन्हें तालाब से बाहर निकालने का कार्य किया जा रहा है। वहीं, वार्ड क्रमांक 23 घासीदास नगर तालाब से विसर्जन सामग्री निकालकर सफाई की जा रही है, ताकि तालाब को स्वच्छ बनाया जा सके। जोन-3 अंतर्गत बैकुंठधाम तालाब में जेसीबी एवं डंपर की सहायता से कचरे की सफाई कर उसे हटाया जा रहा है। इसी प्रकार जोन-4 शिवाजीनगर क्षेत्र में भी छठ पर्व के पूर्व तालाबों की साफ-सफाई का कार्य किया गया है। नगर निगम द्वारा पर्व के मद्देनजर तालाबों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के लिए आवश्यक सफाई कार्य कराया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को छठ पूजा के दौरान स्वच्छ वातावरण एवं बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com